गैरसैंण, सोमवार
27 अक्टूबर 2025
वर्ष: 17
अंक: 167 पृष्ठ: 4
मूल्य: 2.00

# जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

## संक्षिप्त समाचार

### रिश्वत लेते विजिलेंस टीम के हत्थे चढ़े वन विभाग के दो फारेस्ट गार्ड

चम्पावत। रिश्वत लेते विजिलेंस टीम के हत्थे चढ़े वन विभाग के दो फारेस्ट गार्ड को डीएफओ ने निलंबित कर दिया है। दोनों को शनिवार को एक व्यक्ति से 20 हजार की रिश्वत लेते रंगों हाथों पकड़ा गया था। चंपावत वन प्रभाग की अतिरिक्त जिम्मेदारी संभाल रहे पिथौरागढ़ के प्रभागीय वनाधिकारी आशुतोष सिंह ने सतर्कता विभाग की कार्रवाई के बाद दोनों कर्मियों को रविवार को निलंबित कर दिया। वन विभाग की चौकी पर दूसरे कर्मचारी भेजे जा रहे हैं। सतर्कता अधिष्ठान हल्द्वानी सेक्टर की टीम ने शनिवार को चंपावत से करीब तीन किलोमीटर दूर तल्लादेश को जाने वाले मार्ग पर स्थित वन विभाग की चौकी पर दस्तक देकर फारेस्ट गार्ड दीपक जोशी और भुवन चंद्र भट्ट को रिश्वत लेते रंगे हाथों दबोचा था। दोनों ने चीड़ लकड़ी से लदी गाड़ी पकड़ी थी, मामले को रफा दफा करने के लिए दोनों रिश्वत ले रहे थे। मामला निपटाने के लिए दोनों ने 40 हजार रुपये की मांग की थी, लेकिन बाद में दोनों 20 हजार की रिश्वत में मान गए। रिश्वत की धनराशि देने से पूर्व शिकायतकर्ता ने विजिलेंस टीम को सूचित कर दिया। सूचना पर सतर्कता अधिष्ठान हल्द्वानी सेक्टर की टीम यहां पहुंची और उसने दोनों वन कर्मियों को रिश्वत की राशि के साथ गिरफ्तार कर लिया। दोनों फारेस्ट गार्ड को निलंबित कर दिया गया है। दोनों के विरूद्ध विभागीय जांच शुरू कर दी गई है। – आशुतोष सिंह, प्रभारी डीएफओ

### दीपावली के बाद मां पूर्णागिरि धाम में उमड़ने लगे श्रद्धालु, 12 हजार ने किए दर्शन

चम्पावत। दीपावली पर्व बीत जाने के बाद मां पूर्णागिरि धाम में श्रद्धालुओं का उमड़ना फिर से शुरू हो गया है। रविवार को करीब 12 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने मां के दर्शन किए। श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने पर अतिरिक्त पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई है। श्रद्धालुओं की भीड़ के कारण न केवल पूर्णागिरि धाम बल्कि टनकपुर बाजार में भी चहल–पहल है। इस बार नवरात्रि में अपेक्षा के अनुरूप श्रद्धालु नहीं पहुंच पाए थे, जिससे दुकानदारों में मायूसी थी, लेकिन दीपावली के बाद अच्छी खासी संख्या में श्रद्धालु आ रहे हैं। पूर्णागिरि दर्शन के बाद श्रद्धालु नेपाल के ब्रह्मदेव स्थित सिद्धबाबा के दर्शन को जा रहे हैं, जिससे ब्रह्मदेव मंडी में भी खासी रौनक है। पूर्णागिरि मंदिर समिति के अध्यक्ष पंडित किशन तिवारी ने बताया कि दीपावली के बाद पूर्णागिरि धाम में श्रद्धालुओं का आना शुरू हो गया है। रविवार को करीब 12 हजार श्रद्धालु सुबह से लेकर शाम तक दर्शन कर चुके थे। उन्होंने बताया कि मंदिर के दर्शन की अनुमति सुबह छह बजे से रात आठ बजे तक ही है। आठ बजे बाद कपाट बंद कर दिए जा रहे हैं। कोतवाल चेतन सिंह रावत ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा को देखते हुए पीएसी और पुलिस फोर्स की तैनाती की गई है।

### फिल्म अभिनेत्री उर्वशी रौतेला पहुंची नैनीताल, बचपन की यादें करी ताजा

नैनीताल। कुमाऊं दौरे पर पहुंची फिल्म अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने रविवार को स्वजनों के साथ नैनीताल पहुंची। उर्वशी रौतेला ने मां नयना देवी मंदिर में पूजा अर्चना की। जिसके बाद वह शहर के सैर सपाटे पर निकल पड़ी। तिब्बती बाजार में वह मोमो का स्वाद लेने से खुद को नहीं रोक सकी। बाजार में सैर व खरीदारी के बाद उन्होंने नैनी झील में नौकायन का आनंद उठाया। उर्वशी ने कहा कि नैनीताल उनका ननिहाल है। यहां उनकी मां का जन्म हुआ था। इसलिए उन्हें कुमाऊं से विशेष स्नेह है। नैनीताल से उनकी बचपन की यादें जुड़ी हुई है। पहले हर साल वह नैनीताल में अपनी छुट्टियां बिताती थी। झील में नौकायन, मालरोड की सैर, तिब्बती बाजार में फास्ट फूड खाना उनकी यादों में बसा हुआ है। कहा कि नैनीताल दुनिया के हसीन हिल स्टेशनों में सबसे खूबसूरत है। यहां से दिली लगाव उन्हें हमेशा खींच लाता है।

कहा सुंदरता में बेमिसाल नैनीताल फिल्मों की शूटिंग के लिए उम्दा जगह है। यहां कभी फिल्म की शूटिंग हुई तो वह काम के साथ यहां की शांत वादियों में घूमने का लुत्फ उठाने का मौका नहीं छोड़ेंगी।

# देव भूमि का गौरव हैं वीर सैनिक: सीएम

## रिखणीखाल में शहीद स्मरण समारोह को संबोधित करते हुए बोले मुख्यमंत्री, सीएम ने 102.82 करोड़ की विभिन्न योजनाओं का किया लोकार्पण व शिलान्यास

**जयन्त प्रतिनिधि।**

कोटद्वारः मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि वीर सैनिक देव भूमि के गौरव हैं। देश की रक्षा में दिए गए वीर सैनिकों के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। कहा कि प्रदेश सरकार वीर सैनिकों व उन्हें परिजनों के हितों को लेकर कार्य कर रही है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने रिखणीखाल के लिए 102.82 करोड़ की विभिन्न योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। जिसमें 56.58 करोड़ रुपये की लागत से छह योजनाओं का लोकार्पण व 46.24 करोड़ रुपये की लागत की पांच योजनाओं का शिलान्यास शामिल है।

राजकीय इंटर कॉलेज रिखणीखाल में आयोजित शहीद स्मारक समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि यह अवसर केवल एक कार्यक्रम नहीं। बल्कि सभी शहीदों को सामूहिक श्रद्धांजलि देने का क्षण है। उत्तराखंड के वीर सैनिकों ने सदैव भारत माता को गर्वित किया है। कहा कि उत्तराखंड में लगभग हर घर का कोई न कोई सदस्य सैन्य पृष्ठभूमि से जुड़ा है। राज्य सरकार सैनिकों एवं उनके परिजनों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि शहीदों के परिजनों को दी जाने वाली अनुग्रह राशि को दस लाख से बढ़ाकर पचास लाख कर दिया गया है। साथ ही परमवीर चक्र तथा अन्य पुरस्कार विजेताओं की पुरस्कार राशि में वृद्धि की गयी है। कहा कि शहीदों के अंतिम संस्कार के लिए भी सरकार दस हजार की सहायता राशि देती है। सैनिकों को भूमि खरीद पर लगने वाली स्टांप ड्यूटी के रूप में 25 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है। कहा कि शहीदों के परिजनों को सरकारी सेवा में संयोजन के तहत 28 परिजनों को नियुक्ति प्रदान की जा चुकी है जबकि,13 मामलों की प्रक्रिया प्रचलित है। कहा कि केंद्र सरकार ने सैनिकों को वन रैंक वन पेंशन सहित कई अन्य योजनाओं का तोहफा दिया। देहरादून में बन रहे भव्य सैन्य धाम का भी जल्द लोकार्पित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने पौड़ी जनपद में हो रहे विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए बताया कि कंडोलिया में 100 मीटर ऊंचा झंडा व पूर्व सीडीएस बिपिन रावत पार्क का निर्माण हो चुका है। पौराणिक चारधाम पैदल मार्ग पुनः संचालन, ट्राइडेंट पार्क, पूर्व कलेक्ट्रेट भवन का हेरिटेज निर्माण,

सतपुली झील निर्माण तथा धारी देवी पैदल मार्ग पुनः निर्माण कार्य प्रगति पर हैं। कहा कि राज्य सरकार क्षेत्रवाद और जातिवाद से ऊपर उठकर विकास के लिए कार्य कर रही है। सरकार ने लैंड जिहाद, धर्मांतरण, दंगा विरोधी कानून, समान नागरिक संहिता (यूसीसी), ऑपरेशन कालनेमि और नकल विरोधी कानून जैसे ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। जिससे राज्य में सुशासन की स्थापना हो रही है। लैंसडौन विधायक दिलीप सिंह रावत ने कहा कि देहरादून में बन रहे भव्य सैन्य धाम से राज्य का गौरव बढ़ा है। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष राज गौरव नौटियाल, गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष पं. राजेंद्र अण्थवाल, जिला पंचायत सदस्य अनूप पटवाल, ब्लॉक प्रमुख रिखणीखाल रेणु रावत, प्रमुख जयहरीखाल रणवीर सजवाण, जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक लोकेश्वर सिंह, मुख्य विकास अधिकारी गिरीश गुणवंत, अध्यक्ष भाजपा कोटद्वार राज गौरव नौटियाल, कैप्टन मनवर सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा वीरेंद्र रावत सहित बड़ी संख्या में शहीद परिजन, सैनिक, अधिकारी-कर्मचारी एवं आमजन उपस्थित रहे।

### मुख्यंत्री ने यह की घोषणाएं

मुख्यमंत्री ने राजकीय इंटर कॉलेज रिखणीखाल का नाम श्री गुणानंद के नाम पर रखने की घोषणा, विकासखंड रिखणीखाल में दलमोटा से बल्ली तक का मिलान कार्य, विकास खण्ड रिखणीखाल में प्रेक्षागृह का निर्माण, विकास खण्ड रिखणीखाल में लो०नि०वि० अतिथि गृह व हैलीपैड निर्माण कार्य, विकास खण्ड जयहरीखाल में न्याय पंचायत मेरूड़ा में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र की स्थापना, विकास खण्ड रिखणीखाल के मंदाल नदी से नौदानू में पम्पिंग योजना निर्माण, विकास खण्ड जयहरीखाल में पशु सेवा केन्द्र सिलवाड़, जयहरीखाल पशु चिकित्सालय का उच्चीकरण एवं पशु सेवा केन्द्र ढौंटियाल पशुधन प्रसार अधिकारी पद सहित ग्राम सत्तीचौड़ में स्थापना, विधान सभा लैन्सडौन के अन्तर्गत विकास खण्ड रिखणीखाल में मन्दाल नदी पर बाढ सुरक्षा कार्य, विकास खण्ड रिखणीखाल में चौलूडांडा पम्पिंग योजना निर्माण, विकास खण्ड नैनीडांडा के भौन में पम्पिंग योजना का निर्माण, विकास खण्ड नैनीडांडा के अन्तर्गत दिगोलीखाल पम्पिंग योजना का निर्माण, विकासखंड द्वारीखाल में सिमडी कंडली मोटर मार्ग के प्रथम बैंड से सेरा फरसैंगाल तक मोटर मार्ग का निर्माण, विकासखंड रिखणीखाल में कठवाडा खनसुली खनेताखाल मोटर मार्ग से ढाबखाल बुलेखा मोटर मार्ग तक मिलान कार्य, विकास खण्ड रिखणीखाल में लेकुल नाड़ मज्याड़ी मोटरमार्ग का निर्माण कार्य, रिखणीखाल कोटडीसैंण के समीप ग्राम पैयागड़ी रजवी मल्ला विटे मोटर मार्ग का निर्माण, विकासखण्ड रिखणीखाल में किल्यौखाल से सुन्द्रोली तक मोटर मार्ग का निर्माण कार्य, विकास खण्ड रिखणीखाल में नावे तल्ली में भाग दो का कार्य, देवियोखाल बाजार से मैवणी तक सम्पर्क मार्ग का चौड़ीकरण एवं सुधार कार्य, विकासखंड रिखणीखाल के अंतर्गत पाणीसैंण डबराड़ बूथानगर मोटर मार्ग का निर्माण, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रिखणीखाल में डॉक्टरों नियुक्ति तथा विकासखंड रिखणीखाल के अंतर्गत अमर शहीदों के नाम पर स्थानीय मोटर मार्गों के नाम करने की घोषणा की।

# यूपी : लखनऊ में छात्रा के साथ गैंगरेप

### नशीला पदार्थ देकर घिनौनी घटना को दिया अंजाम

लखनऊ, उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से एक दिल दहलाने वाली खबर सामने आई है। यहां विकासनगर थाना क्षेत्र में रहने वाली 18 वर्षीय इंटरमीडिएट छात्रा के साथ एक दिल दहला देने वाली वारदात हुई। कार सवार युवकों ने लिफ्ट देने के बहाने छात्रा को जबरन गाड़ी में बैठाया और चाय में नशीला पदार्थ मिलाकर उसे बेहोश किया। इसके बाद दरिंदों ने छात्रा के साथ गैंगरेप की घिनौनी हरकत को अंजाम दिया। जानकारी के अनुसार पीड़िता इंटर की छात्रा है और 15 अक्टूबर को घरवालों से नाराज होकर घर से निकली थी। दिनभर सहेली के साथ घूमने के बाद, वह देर रात ऑटो से घर लौट रही थी। खुर्रमनगर के पास ऑटो चालक रास्ता भटक गया, जिस पर छात्रा ऑटो से उतर गई। इसी दौरान एक कार रुकी, जिसमें दो युवक सवार थे। उन्होंने छात्रा को विकासनगर तक लिफ्ट देने की पेशकश की। छात्रा के मना करने पर कार सवार युवक ने उसे भरोसा दिलाया और जबरन गाड़ी में खींच लिया। कार में

आरोपियों ने छात्रा को चाय में नशीला पदार्थ मिलाकर पिलाया, जिससे वह बेहोश हो गई।इसके बाद आरोपी पीड़िता को एक फ्लैट में ले गए। वहां दोनों ने सामूहिक दुष्कर्म किया। इसके आधे घंटे बाद एक और युवक वहां पहुंचा और उसने भी छात्रा के साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। सामूहिक दुष्कर्म के बाद, एक आरोपी ने छात्रा को चार दिनों तक बंधक बनाकर रखा, जिसके बाद वह भाग निकली। छात्रा के लापता होने पर परिजनों ने पहले उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी। 18 अक्टूबर को छात्रा के घर लौटने पर, डर के कारण उसने घटना के बारे में कुछ नहीं बताया। हालांकि, 19 अक्टूबर को आरोपी जुनैद ने फोन और मैसेज से धमकियां दीं, जिसके बाद छात्रा ने परिजनों को अपनी आपबीती सुनाई। 22 अक्टूबर को परिवार मड़ियांव थाने पहुंचा और छात्रा की शिकायत पर मुकदमा दर्ज हुआ। इंस्पेक्टर शिवानंद मिश्र ने बताया कि गुरुवार को दो नामजद आरोपी अंशुमान और जुनैद को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अभी तीसरे आरोपी शिवांश की तलाश कर रही है। गिरफ्तार दोनों आरोपियों से पूछताछ जारी है, और मामले में संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई कर जेल भेजा गया है। वहीं, गोमतीनगर थाने में एक ठगी का मामला दर्ज हुआ है। पंजीकृत अभियोग में आरोपी आकाश के विरुद्ध आरोप लगा कि वह विदेशों में नौकरी का झांसा देकर ठगी करता है। आरोपी विदेशी कंपनियों में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करता है। पुलिस ने आरोपी आकाश को गिरफ्तार कर लिया है। वह बक्सर का रहने वाला है। पुलिस उसके बैंक अकाउंट समेत अन्य पहलुओं पर जांच कर रही है।

### 8 करोड़ की जीएसटी चोरी पकड़ी

देहरादून। आयुक्त राज्य कर सोनिका के निर्देश पर मुख्यालय के सीआई द्वारा इलेट्रिकल गुडस (एलईडी लाइट्स, लिथियम बैटरी), का व्यवसाय कर रही 4 फर्मों के व्यापार स्थलों पर छापेमारी की कार्यवाही की गयी। इकाई द्वारा जीएसटी रिटर्न के विश्लेषण एवं ई–वे बिल डाटा की जाथ में पाया गया कि इन फर्मो द्वारा आपस में खरीद–बिक्री दिखाकर करोड़ों की आई०टी०सी० को अग्रसारित किया जा रहा है, जबकि इन फर्मों का वास्तविक व्यापार नगण्य है। हरिद्वार स्थित फर्मों का बकाया के कारण बिजली विभाग द्वारा इन फर्मों की बिजली काट दी गयी है। फिर भी ये फर्म करोड़ों मूल्य के ई–वे बिल बना रही हैं। इन फर्मों के गेट रजिस्टर में भी माल आने–जाने की प्रविष्टि नहीं है। इन्हीं फर्मों से जुड़ी सितारगंज स्थित एक फर्म की जांच पर यह पाया गया कि फर्म विगत 2 सालों से बंद है और उसके द्वारा भी हरिद्वार स्थित फर्मों के साथ मिलकर करोड़ों का व्यवसाय दिखाया जा रहा है। ई–वे बिल डाटा ने वाहनों की वास्तविक यात्रा रूट एवं टोल प्लाजा क्रॅसिंग के साक्ष्य नहीं मिले, जिससे स्पष्ट है कि वस्तुओं की वास्तविक आपूर्ति नहीं हुई बल्कि केवल बिल ट्रेडिंग की गयी।

## शराब के ठेके के बाहर दो युवकों में झगड़ा

# एक ने दूसरे को चाकू से गोदकर उतारा मौत के घाट

ऋषिकेश। खारा स्रोत में अंग्रेजी शराब के ठेके के पास देर रात करीब शीशम झड़ी के एक युवक ने अपने ही पड़ोस में रहने वाले एक युवक को धारदार हथियार से मार डाला। आरोपी को थाना मुनि की रेती पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

वहीं थाना पुलिस ने मृतक युवक का शव पोस्टमार्टम के लिए एम्स के मोर्चरी में भेज दिया है। वहीं, सुबह गुस्साए स्थानीय लोगों और मृतक के परिजनों ने बदरीनाथ राजमार्ग स्थित खारा स्रोत पर जाम लगा दिया। अंग्रेजी शराब के पास हुई इस घटना से स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों में आक्रोश फैल गया। लोक राय वार्ड सुबह अंग्रेजी शराब के सामने एकत्रित हो गए इस दौरान लोगों ने शराब का ठेका बंद करने की मांग की। परिजन राजमार्ग पर बैठ गए और आरोपी के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की मांग की। मौके पर पहुंची नगर पालिका अध्यक्ष नीलम बिजलवान ने भी अंग्रेजी शराब के आसपास संचालित ठेली खोखों को हटाने के निर्देश दिए। मौके पर थाना मुनि की रेती पुलिस मौजूद रही, लेकिन परिजन नहीं माने।

मीट सप्लाई करता था युवकः मृतक अजेंद्र कंडारी नगर पंचायत तपोवन और नगर पालिका मुनि की रेती क्षेत्र में संचालित होटल, ढाबों और आसपास क्षेत्रों में मीट सप्लाई करता था। 25 अक्तूबर की देर रात मृतक खारास्रोत में अंग्रेजी शराब के ठेके के आसपास संचालित खोखों और ठेलियों से पैसे लेने के लिए पहुंचा था। यहीं मृतक और आरोपी में लड़ाई हो गई। दोनों को बीच पैसे के लेनदेन को विवाद की वजह बताया जा रहा है।

# बिहार चुनाव के बीच जदयू का बड़ा एक्शन, 4 पूर्व विधायकों सहित 11 को पार्टी से बाहर निकाला

पटना, जनता दल (यूनाइटेड) ने विधानसभा चुनाव 2025 से पहले अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए अपने 11 नेताओं को पार्टी से निष्कासित कर दिया है। पार्टी ने कहा है कि ये नेता लगातार पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त थे और संगठन की विचारधारा के विपरीत काम कर रहे थे।

जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने बयान जारी कर कहा कि इन सभी नेताओं का आचरण पार्टी की नीतियों और अनुशासन के खिलाफ पाया गया है। चुनाव के समय पार्टी लाइन से अलग जाकर बयानबाज़ी और गतिविधियां करना अस्वीकार्य है।

निष्कासित नेताओं में पूर्व मंत्री और विधायक शामिल

जिन नेताओं को पार्टी से बाहर किया गया है, उनमें कई बड़े नाम शामिल हैं –

पूर्व मंत्री शैलेश कुमार
पूर्व विधान पार्षद संजय प्रसाद
पूर्व विधायक श्याम बहादुर सिंह
पूर्व विधान पार्षद रणविजय सिंह
पूर्व विधायक सुदर्शन कुमार
अमर कुमार सिंह

इसके अलावा, पिछले चुनाव में महुआ से जदयू प्रत्याशी रही आस्मां परवीन, लव कुमार, आशा सुमन, दिव्यांशु भारद्वाज और विवेक शुक्ला के नाम भी सूची में शामिल हैं।

टिकट न मिलने से नाराज़गी, कई निर्दलीय चुनाव मैदान में

सूत्रों के अनुसार, इन नेताओं में से कुछ को आगामी विधानसभा चुनाव में टिकट नहीं मिला था, जिसके चलते पार्टी नेतृत्व के खिलाफ नाराज़गी बढ़ती जा रही थी। कई नेताओं ने जदयू से अलग होकर निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में मैदान में उतरने का फैसला किया था।

**चुनाव से पहले संगठन को मजबूत करने की कोशिश**

पार्टी सूत्रों का कहना है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि चुनाव से पहले अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पार्टी संगठन अब केवल उन लोगों के साथ आगे बढ़ेगा जो जदयू की विचारधारा, नेतृत्व और नीतियों के प्रति निष्ठावान हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह कदम जदयू के लिए डैमेज कंट्रोल रणनीति का हिस्सा है, जिससे आगामी चुनाव में एकजुटता का संदेश दिया जा सके।

### अपात्र राशन कार्ड धारक हो जाएं सावधान..

देहरादून। अपात्रता की श्रेणी में आने के बाद भी सरकारी योजनाओं का लाभ ले रहे राशन कार्ड धारकों के खिलाफ जिला पूर्ति विभाग कानूनी कार्रवाई करेगा। ऐसे अपात्र उपभोक्ताओं को स्वेच्छा से राशन कार्ड विभाग को सुपुर्द करने की चेतावनी दी है। इसके साथ ही पूर्ति विभाग ने राशन कार्डों की जांच शुरू कर दी है।

डीएसओ केके अग्रवाल ने बताया पूर्व में 3600 राशन कार्ड निरस्त किए जा चुके हैं। जो कि राशन कार्ड के मानकों के हिसाब से अपात्रता की श्रेणी में पाए गए। केंद्र सरकार के अंतर्गत संचालित हो रहे राष्ट्रीय खाद्य एवं अत्योदय के लिए वार्षिक आय एक लाख 80 हजार रुपये निर्धारित की गई है। जबकि राज्य खाद्य सुरक्षा योजना की पात्रता में आने के लिए वार्षिक आय पांच लाख निर्धारित की गई है। यदि व्यक्ति के परिवार की आय तीनों योजनाओं से अधिक है। तो उसे राशन कार्ड की पात्रता में शामिल नहीं किया जाएगा। बताया ब्लाक स्तर पर जो राशन कार्ड धारक खुद को अपात्र मानते हैं। उनको ग्राम पंचायत विकास अधिकारी को राशन कार्ड सुपुर्द करना होगा। शहरवासियों को डीएसओ कार्यालय को राशन कार्ड सुपुर्द करना होगा। ऐसा न करने पर कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

# झरने में नहाने के दौरान हादसा, युवक की मौत

### – मध्यमेश्वर की यात्रा पर आए थे लखनऊ से चार दोस्त

रुद्रप्रयाग। चार दोस्तों के साथ मध्यमेश्वर की यात्रा पर आए लखनऊ उत्तर प्रदेश के एक युवक की सीमांत गांव रांसी और गौंडार के बीच भीमसी में गदेरे के झरने के नहाते समय पैर फिसलकर गिरने के बाद भंवर में डूबने से मौत हो गई। आपदा प्रबंधन और पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर यात्री के शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय भेजा। युवक के स्वजन को घटना की सूचना दे दी गई है। शनिवार को स्थानीय निवासी पंकज सिंह ने पुलिस और आपदा प्रबंधन को गौंडार गांव से 2.50 किमी नीचे झरने में एक व्यक्ति के डूबने की सूचना दी। घटना सुबह छह बजे हुई। सूचना मिलते ही तहसील ऊखीमठ से डीडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें मौके के लिए रवाना हुईं। मौके पर पहुंचते ही रेस्क्यू टीमों ने अभियान शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद टीमों ने मौके से यात्री का शव बरामद किया। बताया जा रहा है कि युवक पैर फिसलकर गिरने के बाद अनियंत्रित होकर झरने के भंवर में डूब गया। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि मृतक की पहचान 20 वर्षीय अजय कुमार, पुत्र राजेश कुमार निवासी शीतल नगर, फेज–2 जरहरा, इंदिरा नगर, लखनऊ उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। वह चार दोस्तों अनाधि प्रताप सिंह निवासी सुल्तानपुर, उत्तर प्रदेश, हिमांशु दीप निवासी प्रतापगढ़, उत्तर प्रदेश, सतीश कुमार निवासी जिला बस्ती, उत्तर प्रदेश और अभिषेक आर्य निवासी जिला गौंडा, उत्तर प्रदेश के साथ मध्यमेश्वर की यात्रा पर आया था।

# 'खूनी हाथी' बना चीला का राजा

### अब पर्यटक करेंगे हाथियों पर बैठकर जंगल सफारी

हरिद्वार। बीएचईएल क्षेत्र में एक समय तांडव मचाने वाला राजा नाम का हाथी अब राजाजी टाइगर रिजर्व की चीला रेंज का मुख्य आकर्षण और राजा बन चुका है। चीला रेंज के गेट नवंबर में खुलने के बाद सैलानी इस साल हाथियों पर बैठकर जंगल सफारी का अनोखा अनुभव ले सकेंगे। बता दें कि वर्ष 2019 में राजा हाथी ने हरिद्वार के भेल क्षेत्र में तीन लोगों की जान ले ली थी इसके बाद से ही इसे खूनी हाथी के तौर पर जाना जाने लगा था। पूरे हरिद्वार में राजा की दहशत फैल गई थी। उस घटना के बाद वन विभाग से लेकर आम लोग तक इसका नाम सुनकर डर जाते थे। खतरे की आशंका को देखते हुए इस

हाथी को चीला रेंज में पुनर्वासित किया गया। यहां समय बीतने के साथ राजा का व्यवहार पूरी तरह बदल गया और मौजूदा समय में यह दो दांत वाला 27 साल का हाथी अब सबसे प्यारा और व्यावहारिक बनकर चीला रेंज का राजा बन चुका है।

**कई वर्षों से बंद थी हाथी सफारी**

हरिद्वार की चीला रेंज में कई वर्षों से हाथी सफारी बंद पड़ी थी। अब नवंबर में रेंज खुलने जा रही है। चीला रेंज के हाथी बाड़े में वर्तमान में सात हाथी हैं इनमें तीन हाथी, तीन हथिनी और एक छोटा हाथी है। इन पर बैठकर देश–विदेश से आने वाले सैलानी जंगल सफारी का लुत्फ उठा सकेंगे।

**इन हाथियों पर सकेंगे हाथी सफारी**

राधा–37 वर्ष
रंगीली– 38 वर्ष
राजा–27 वर्ष
रानी–12 वर्ष
जॉनी–9 वर्ष
कमल–3 वर्ष

राजा सब की कमांड तुरंत मानता है। इस वक्त राजा सबसे प्यारा हाथी है। अब राजा बिलकुल बदल चुका है। सबसे व्यावहारिक और शांत राजा ही है। कड़ी मेहनत के बाद यह सफलता मिली और कभी हमलावर हाथी आज बेहतर जीवन भी जी रहा है। **—कंचन नौटियाल, हाथी बाड़ा इंचार्ज**

### दो महिलाओं की मौत के बाद जागा स्वास्थ्य विभाग

नई टिहरी। भिलंगना ब्लॉक क्षेत्र में प्रसव के बाद दो महिलाओं की मौत के बाद आखिरकार स्वास्थ्य विभाग हरकत में आया है। पटरी से उतरी स्वास्थ्य सेवाओं पर जनता के गुस्से और भारी जन दबाव के बाद अब विभाग ने संज्ञान लिया है। गर्भवती महिलाओं को समय पर जांच और सुरक्षित प्रसव की सुविधा देने के उद्देश्य से अब हर माह के प्रथम बृहस्पतिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेलेश्वर में विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जाएगा।

सीएमओ डॉ. श्याम विजय ने बताया कि इस शिविर में जिला अस्पताल बौराड़ी और उप जिला अस्पताल नरेंद्रनगर से विशेषज्ञ चिकित्सक भेजे जाएंगे। इसमें रेडियोलॉजिस्ट डॉ. नागेंद्र दत्त गैरोला, स्त्री रोग विशेषज्ञ और बाल रोग विशेषज्ञ अपनी सेवाएं देंगे।

# 21वीं सदी भारत और आसियान की सदी है, शिखर सम्मेलन में बोले प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली ,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मलेशिया में आयोजित आसियान–भारत शिखर सम्मेलन को वर्चुअली संबोधित किया। उन्होंने आसियान की सफल अध्यक्षता के लिए मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम को बधाई दी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 21वीं सदी भारत और आसियान की सदी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत और आसियान मिलकर विश्व की लगभग एक चौथाई जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने कहा, हम सिर्फ जियोग्राफी ही शेयर नहीं करते, हम गहरे ऐतिहासिक संबंधों और साझे मूल्यों की डोर से भी जुड़े हुए हैं। हम ग्लोबल साउथ के सहयात्री हैं। हम सिर्फ व्यापारिक नहीं, सांस्कृतिक साझेदार भी हैं। उन्होंने कहा कि आसियान भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी का मुख्य स्तंभ है। भारत हमेशा आसियान सेंट्रलिटी और इंडो पैसिफिक पर आसियान के आउटलुक का पूर्ण समर्थन करता रहा है। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि अनिश्चितताओं के इस दौर में भी भारतझ्रआसियान व्यापक रणनीतिक साझेदारी में सतत प्रगति हुई है। हमारी ये मजबूत साझेदारी वैश्विक स्थिरता और विकास का सशक्त आधार बनकर उभर रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत हर आपदा में अपने आसियान मित्रों के साथ मजबूती से खड़ा रहा है। मानवीय सहायता और आपदा राहत, समुद्री सुरक्षा और ब्लू इकोनॉमी में हमारा सहयोग तेजी से बढ़ रहा है। इसको देखते हुए, हम 2026 को आसियान–इंडिया समुद्री सहयोग का वर्ष घोषित कर रहे हैं। आसियान–भारत शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी ने भारत के कंट्री कोऑर्डिनेटर की भूमिका कुशलता से निभाने पर फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर. मार्कोस का धन्यवाद किया।

## सम्पादकीय

# शराब से त्रस्त देवभूमि

उत्तराखंड राज्य के राजकोष में खनन और आबकारी विभाग की एक बड़ी भूमिका है। खनन को लेकर तो सवाल उठते ही आए हैं जिसमें जायज और नाजायज दोनों ही तरीके से उत्तराखंड की नदियों का सीना चीर कर दोहन किया जाता है तो वहीं शराबखोरी उत्तराखंड के लिए एक ऐसा अभिशाप बन चुकी है जिससे पार पाना अब बेहद मुश्किल नजर आने लगा है। राज्य सरकार शराब की बिक्री पर अच्छा खासा राजस्व अर्जित कर रही है लेकिन इस शराब के कारण बिगड़ी सामाजिक व्यवस्था पर शायद सरकार का ध्यान अभी तक नहीं जाता। स्थिति यह है कि अब तो ऐसे थानों पर भी दुकान आवंटित की जा रही है जो धार्मिक दृष्टि से आस्था की जगह है। जनपद टिहरी के मुनि की रीति क्षेत्र में शराब की दुकान खोले जाने को लेकर स्थानीय लोगों के साथ—साथ उत्तराखंड क्रांति दल ने जमकर विरोध किया और दुकान नहीं खुलने दी। बात सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं रही बल्कि राज्य सरकार की आबकारी नीति पर सवाल उठाए गए कि आखिर सरकार शराब बिक्री को लेकर क्या संदेश इस समाज को देना चाहती है? प्रदर्शनकरियों ने यह तो स्पष्ट कर दिया कि गंगा तट कुछ दूरी पर इस दुकान को किसी भी दशा में नहीं खुलने दिया जाएगा और सरकार शराब बेचने को लेकर जिस प्रकार से छटपटा रही है उसे अब इस प्रदेश में चलने नहीं दिया जाएगा। राज्य गठन के पास से ही उत्तराखंड में शराबखोरी और इसकी बिक्री को लेकर लगातार बढ़ोतरी के लक्ष्य सरकार ने निर्धारित किया जबकि तब "उत्तरांचल प्रदेश" के निर्माण के साथ ही मातृशक्ति द्वारा उत्तराखंड में पूर्ण शराबबंदी की मांग उठाई गई थी। चूंकि शराब की बिक्री उत्तराखंड जैसे प्रदेश के लिए कमाई के सबसे महत्वपूर्ण संसाधन में से एक है लिहाजा कोई भी सरकार पूर्ण शराबबंदी को लेकर कदम नहीं उठा पाई। जाहिर है कि पूर्ण शराबबंदी सरकार के लिए आर्थिक तंगी का कारण बन सकती थी। शराब बंद करना तो दूर प्रत्येक वर्ष शराब की बिक्री के लक्ष्य को लगातार बढ़कर पेश किया गया। आज स्थिति यह है की गढ़वाल और कुमाऊं के चप्पे चप्पे पर भले ही अस्पताल और स्कूल खोलना मुश्किल हो रहे हो लेकिन शराब की दुकान खोलने के लिए सरकार प्रयासरत है। उत्तराखंड में शराबखोरी रोकने के लिए मातृशक्ति शुरुआत से ही आंदोलन करती आई है और आज भी मुनि की रेती में प्रदर्शन में मातृशक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका रही लेकिन पिछले 25 वर्षों से चली आ रही शराबबंदी की मांग को लेकर कोई सत्ता के गलियारों में कोई हरकत नजर नहीं आती। यह दुर्भाग्य ही है कि उत्तराखंड में "सूर्य अस्त और पहाड़ मस्त" जैसे जुमले बोले जाते हैं जो सीधे—सीधे शराबखोरी की प्रवृत्ति को ही उजागर करते हैं। शायद ही उत्तराखंड की कोई सरकार राज्य में पूर्ण शराबबंदी की घोषणा कर पाए क्योंकि यह सरकारें भी जानती है कि शराबबंदी करने का मतलब राजकोष को अपंग करने जैसा होगा। बरहाल उत्तराखंड में शराब की बिक्री न केवल चालू है बल्कि पूरे राज्य को शराब की दुकानों से पाटने का लक्ष्य लेकर ही शायद आबकारी नीति को आगे बढ़ाए जाने की योजना है।

# बिहार देश की सामाजिक न्याय और जाति व्यवस्था की प्रयोगशाला है

**अजय दीक्षित**

**मध्यकालीन भारत में बिहार में नालंदा विश्वविद्यालय था जिसमें चीनी यात्री हैन संग के मुताबिक दस लाख पांडुलिपि थी जिनको 13 बी सदी में अलाउद्दीन खिलजी ने जलाकर नष्ट कर दिया था ।इन पांडुलिपि में प्राचीन भारत का इतिहास दर्ज था ।उससे पहले ईसा पूर्व 567 में भगवान बुद्ध को परम ज्ञान की अनुमति हुई थी ।गंगा, कोसी, ब्रह्मपुत्र नदी के तीर में बसा बिहार आजादी के आंदोलनों का साक्षी रहा है। आजादी के बाद भारत में अगर जाति व्यवस्था को सामाजिक न्याय में बदला गया तो वह बिहार ही है । लीची, मखानों, आम, धान, उड़द, ग्वार, मूंगफली,गेहूं आलू का उत्पादन के लिए विख्यात बिहार में विधानसभा चुनाव की रणभेरी बज रही है। 243 सदस्यीय बिहार विधानसभा का चुनाव 6 और 11 नवंबर होना है। राजनीतिक प्रवेक्षकों की माने तो जातियों के समूह तय करेंगे कि कौन सरकार बनाएगा। मुख्य मुकाबला बीजेपी, जेडीयू गठजोड़ यानि एनडीए और राजद कांग्रेस के महागठबंधन के बीच है।**

वैशाली, भगवान बुद्ध, नालंदा विश्वविद्यालय, माता सीता की मढ़ी ,सरीखे गौरवशाली इतिहास को समेटे भारत का पौराणिक कथाओं से भरपूर राज्य बिहार देश की जाति व्यवस्था और सामाजिक न्याय की प्रयोगशाला है। ब्रिटिश ने बंगाल के विभाजन के बाद 1911 में इसे स्थापित किया । मध्यकालीन भारत में बिहार में नालंदा विश्वविद्यालय था जिसमें चीनी यात्री हैन संग के मुताबिक दस लाख पांडुलिपि थी जिनको 13 बी सदी में अलाउद्दीन खिलजी ने जलाकर नष्ट कर दिया था ।इन पांडुलिपि में प्राचीन भारत का इतिहास दर्ज था ।उससे पहले ईसा पूर्व 567 में भगवान बुद्ध को परम ज्ञान की अनुमति हुई थी ।गंगा, कोसी, ब्रह्मपुत्र नदी के तीर में बसा बिहार आजादी के आंदोलनों का साक्षी रहा है। आजादी के बाद भारत में अगर जाति व्यवस्था को सामाजिक न्याय में बदला गया तो वह बिहार ही है । लीची, मखानों, आम, धान, उड़द, ग्वार, मूंगफली,गेहूं आलू का उत्पादन के लिए विख्यात बिहार में विधानसभा चुनाव की रणभेरी बज रही है।

243 सदस्यीय बिहार विधानसभा का चुनाव 6 और 11 नवंबर होना है। राजनीतिक प्रवेक्षकों की माने तो जातियों के समूह तय करेंगे कि कौन सरकार बनाएगा। मुख्य मुकाबला बीजेपी, जेडीयू गठजोड़ यानि एनडीए और राजद कांग्रेस के महागठबंधन के बीच है।

राजद ने यादव मुस्लिम जातियों को आकर्षित कर रखा है तो नीतीश कुमार ने अति पिछड़ी जातियों जैसे कोली, कुशवाह, निषाद, कुर्मी,धोबी,तथा अनुसूचित जातियों जैसे पासवान, धानुक, डिमरी, धाम,को अपना लक्ष्य बनाया है भारतीय जनता पार्टी ब्राह्मण, क्षत्रिय, बनिया,भूमिहार,पर नजर रखे है। कांग्रेस राजद के साथ है और 61 सीट पर चुनाव लड़ रही है जबकि राजद 127 सीट पर चुनाव में है।

बीजेपी जेडीयू 101 ,101 पर मैदान में हैं। चिराग पासवान की पार्टी 29, जीतन राम मांझी 6 पर लड़ रहे हैं।

पूरा चुनाव अभियान सभी पार्टियों का जाति व्यवस्था के आधार पर चल रहा है। अन्य राज्यों में जब चुनाव होते हैं तो विकास, क्षेत्र, भाषा, बोली मुद्दे होते हैं लेकिन बिहार में यह सब मुद्दे नदारत हैं। हां एक महिला सशक्तिकरण जरूर भारतीय जनता पार्टी ने मुद्दा बनाया है।

राजद नेता तेजस्वी यादव पूरे बिहार में घूम घूम कर यादव मुस्लिम का मजबूत स्थान दे रहे हैं।

बिहार में 1952 प्रथम चुनाव से ही जाति गत राजनीत होती रही है। इसका कारण यह है कि ब्रिटिश राज्य में और उससे पहले मुस्लिम एरा में बड़ी जातियों ने छोटी जातियों का बहुत शोषण किया। जिसमें मंदिरों में प्रवेश, आवाज निकालकर निकलना, बेगारी, दासता, दैहिक शोषणों, महिलाओं की स्थिति, भयानक अशिक्षा, अंधविश्वास, जमींदारी प्रथा, जैसी समस्याओं से बिहार अभिशप्त रहा था। मुसलमानों के शासन में यही व्यवस्था बनी रही हालांकि ब्रिटिश ने कुछ सुधार किए मगर वे मन से और बहुत कम । इन परिस्थितियों के चलते पूरे निचले तबके में ऊंची जातियों के प्रति आक्रोश पनप रहा था और जब आजादी के बाद मताधिकार मिला तो वह गुस्सा फूट पड़ता है ।यही जाति व्यवस्था है।

हालांकि सरकारी स्तर पर नौकरियों में आरक्षण मिला है लेकिन इस पर भी उन्हीं लोगों ने अपने लोग बिठा लिए जो शोषक थे ।सबसे पहले रामधन, बाबू जगजीवन राम, कर्पूरी ठाकुर आदि नेताओं ने सामाजिक न्याय की आवाज उठाई और जाति आधारित राजनीति शुरू की ।बिहार में एक समय तो जातिगत सेनाएं बन गई थीं और उन्होंने सामूहिक हत्याएं और कत्लेआम मचाया। जिसमें रणवीर सेना, कुश सेना,आदि ने लालू प्रसाद यादव मुख्यमंत्री के समय तबाही मचाई।

बिहार में दासता की कहानी पुरानी है ब्रिटिश राज्य में चंपारण जिले के किसानों को 15 फीसदी अपनी खेती की

नील की खेती ब्रिटिश के कहने पर करनी पड़ती थी और यह प्रत्येक किसान के लिए अनिवार्य था ।जिससे किसान बीमार हो रहे थे ।यह एक तरह की बेगारी थी ।एक रामकिशोर शुक्ल नामक स्वतंत्रता सेनानी ने महात्मा गांधी को यह बात बताई तब महात्मा गांधी ने 15 अप्रैल 1917 को चंपारण में सत्याग्रह किया ।जो इतिहास में दर्ज है। इस आंदोलन से गांधी जी स्थापित हुए । कहने का मतलब यह है कि ब्रिटिश राज्य में भी बेगारी बिहार में बहुत चलती थी। सुप्रसिद्ध फिल्मकार सत्यजीत राय ने आजादी के बाद सत्तर के दशक में बिहार में विद्यमान जातिगत कुरीतियों और महिलाओं, स्त्रियां,के शोषण, चक्र,आक्रोश, मृगया,तृष्णा,आदि फिल्में बनाई जो बिहार की परिस्थितियों को इंगित करती थी। महादेवी वर्मा, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की वैशाली की बधू भी इन्हीं व्यवस्था पर आधारित थी। ब्रिटिश राज्य में किसानों का शोषण जमींदारों भी किया ।

## जनता के दूरगामी हितों की बलि

तेजस्वी नीतीश की घोषणाओं की आलोचना कर रहे हैं। मगर बात वोट खरीदने की हो, तो जुबानी शाहखर्ची में वे भी कोताही नहीं बरतते। और यह कहानी देश भर की है। इस होड़ में जनता के भविष्य की बलि चढ़ रही है। बिहार में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले जिन 75 लाख परिवारों के पास मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत 10 हजार रुपये पहुंचे हैं, बेशक उनके यहां इस बार त्योहारों की रंगत खासी बढ़ गई होगी। अगली किस्तों में लाखों अन्य महिलाओं के खातों में इतनी ही रकम जाएगी। राज्य सरकार ने इस योजना पर 20,000 करोड़ रुपये खर्च करने का इरादा जताया है। साथ ही नीतीश कुमार सरकार ने लगभग 15 ऐसे निर्णय लिए हैं, जिनसे 50 हजार करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ सालाना बजट पर पड़ेगा। बिहार का पिछला बजट 3.15 लाख करोड़ रुपये का था। मुख्यमंत्री की कुल हालिया घोषणाओं से उसके लगभग 15 प्रतिशत बराबर की रकम खर्च होगी। आरजेडी नेता तेजस्वी यादव के मुताबिक चुनाव से पहले केंद्र और राज्य सरकारों ने राज्य के लिए जो योजनाएं घोषित की हैं, वे सात लाख करोड़ रुपये से अधिक की हैं। यादव का सवाल वाजिब है कि आखिर पैसा कहां से आएगा? हाल में सीएजी ने राज्यों पर मौजूद कर्ज के बारे में रिपोर्ट पेश की है। उसके मुताबिक कोरोना काल के बाद से बिहार पर कर्ज दोगुना हो गया है। यह राज्य के सकल घरेलू उत्पाद के 39 फीसदी तक पहुंच चुका है। फिलहाल जो तोहफे बांटे जा रहे हैं, चूंकि उनके बारे में यह नहीं बताया गया है कि अतिरिक्त राजस्व कहां से जुटाया जाएगा, तो अनुमान लगाया जा सकता है कि ऐसा कर्ज लेकर होगा। याद रखना चाहिए कि ऋण के साथ ब्याज और मूल धन दोनों चुकाने की सालाना चुनौती बढ़ती जाती है। नतीजतन, पूंजीगत एवं बुनियाद मजबूत करने वाली कल्याणकारी योजनाओं में निवेश की क्षमता सिकुड़ती जाती है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि भारतीय राजनीति में आज इसकी चिंता किसी को नहीं है। तेजस्वी भले नीतीश की घोषणाओं की आलोचना कर रहे हों, मगर जब बात वोट खरीदने की हो, तो जुबानी शाहखर्ची में वे भी कोई कोताही नहीं बरतते। और यह कहानी देश भर की है। मतदाताओं को जश्न के फ़ौरी मौके देकर नेता अपने सियासी भविष्य को सुरक्षित कर रहे हैं। लेकिन इस होड़ में जनता के दूरगामी हितों की बलि भी चढ़ रही है।

## खेलने की मजबूरी

यूएई में हुआ एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट खेल से इतर बातों के लिए ज्यादा याद रखा जाएगा। यहां भारतीय खिलाड़ियों के कंधों पर अपनी सरकार और क्रिकेट बोर्ड की डगमगाहट को संभालने का बोझ भी डाल दिया गया था। एशिया कप में भारतीय क्रिकेट टीम आरंभ से अंत तक चैंपियन की तरह खेली। जिस टूर्नामेंट में टेस्ट क्रिकेट खेलने वाली पांच टीमें हों, वहां आसान मुकाबलों की अपेक्षा नहीं रहती। मगर फिलहाल भारतीय क्रिकेट टीम जिस ऊंचाई पर है, वहां से बाकी टीमें बौनी नजर आती रहीं। बहरहाल, यह तो खेल की बात है। मगर यूएई में हुआ यह टूर्नामेंट खेल से इतर बातों के लिए ज्यादा याद रखा जाएगा। यहां भारतीय खिलाड़ियों के कंधों पर अपनी सरकार और क्रिकेट बोर्ड की डगमगाहट को संभालने का बोझ भी डाल दिया गया था। प्रधानमंत्री की घोषणा के मुताबिक ऑपरेशन सिंदूर को सिर्फ विराम दिया गया है— तकनीकी रूप से वह अभी भी जारी है। इस बीच सरकार ने यह "नया नॉर्मल" स्थापित किया है कि पानी (सिंधु जल संधि के तहत) और खून (आतंकवादियों के हाथों) साथ—साथ नहीं बह सकते। फिर भी, जबकि भारत—और पाकिस्तान युद्धरत हैं, बीसीसीआई ने एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ मैचों में भाग लेने का फैसला किया और केंद्र ने इसकी मंजूरी दी। जिस वक्त देश के सियासी दलों में एक दूसरे से अधिक पाकिस्तान विरोधी दिखने की होड़ लगी हो, तो लाजिमी ही था कि विपक्ष ने इस निर्णय को लेकर सरकार पर घेरा डाला। मीडिया नैरेटिव्स के जरिए उसे तोड़ने का जिम्मा खिलाड़ियों को दिया गया। नतीजतन, कप्तान सूर्य कुमार यादव पर टीम का नेतृत्व करने के साथ—साथ पाकिस्तानी कप्तान से हाथ ना मिलाने और उनकी ओर ना देखने जैसी ऐक्टिंग करने की जिम्मेदारी भी आ गई!

# एसओपी तैयार किया जाना बेहद जरूरी

**टीवीके के नेता और अभिनेता विजय ने शनिवार को तमिलनाडु के करूर जिले में रैली की थी। विजय ने भगदड़ में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर घोषणा की कि हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों को 20—20 लाख रुपये का मुआवजा देंगे। घायलों को भी 2 लाख देने का ऐलान किया। हादसा उस समय हुआ जब हजारों समर्थक विजय के संबोधन को सुनने के लिए इका थे।**

तमिलनाडु के करूर जिले में एक रैली में भगदड़ मचने से 40 लोगों की मौत हो गई और अनेक घायल हो गए। घायलों में कुछ की हालत गंभीर बताई गई है। मरने वालों में 10 बच्चे और 16 महिलाएं शामिल हैं।

टीवीके के नेता और अभिनेता विजय ने शनिवार को तमिलनाडु के करूर जिले में रैली की थी। विजय ने भगदड़ में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर घोषणा की कि हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों को 20—20 लाख रुपये का मुआवजा देंगे। घायलों को भी 2 लाख देने का ऐलान किया। हादसा उस समय हुआ जब हजारों समर्थक विजय के संबोधन को सुनने के लिए इका थे।

कार्यक्रम स्थल पर भीड़ बढ़ती चली गई। इसी पुलिस ने एकाएक लाठीचार्ज कर दिया जिससे भगदड़ मच गई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने घटना को 'गंभीर और चिंताजनकइ बताया। करूर नगर पुलिस ने टीवीके के नेताओं के समेत कई लोगों के खिलाफ बीएनएस की सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज किया है। भगदड़ के कारणों को लेकर लोगों के अपने—अपने दावे हैं, और स्पष्ट नहीं है कि क्या गड़बड़ हुई; क्या आयोजन स्थल का चयन गलत होने से यह सब हुआ या फिर भीड़ के बेकाबू हो जाने से ।कुछ लोगों का दावा है कि सभा स्थल पर भीड़ ने अवरोधक के लिए लगाए गए टिन शेड को गिरा दिया और कई लोग पास की फूस की छतों पर चढ़ गए जो उनका भार सहन नहीं कर सकीं और गिर गई। इस बीच स्थिति को काबू में लाने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया जिससे भीड़ में फंसे बच्चों समेत अन्य लोग समझ नहीं पाए कि हो क्या रहा है। बेशक, यह घटना राजनीतिक आयोजनों में सुरक्षा में चूक की कमी को उजागर करती है।

ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए एसओपी बनाई जानी चाहिए ताकि रैलियों में किसी तरह की भगदड़ न होने पाए। लेकिन सबसे बड़ा सवाल है कि देश में पिछले कुछ समय में हुई ऐसी भगदड़ों के बाद भी सबक क्यों नहीं लिया गया राजनीतिक आयोजनों ही नहीं, बल्कि धार्मिक स्थलों और खेल के मैदानों में भी दर्शकों की भीड़ बेतहाशा बढ़ने पर इस प्रकार के हादसे की आशंका बराबर बनी रहती है। जरूरी है कि भीड़ के कारगर प्रबंधन के लिहाज से भी बंदोबस्ती में ध्यान रखा जाए। एसओपी तैयार किया जाना तो बेहद जरूरी है।

# प्रणव मोहनलाल स्टारर हॉरर थ्रिलर डाइस इरा का टीज़र रिलीज़

प्रणव मोहनलाल की आगामी हॉरर थ्रिलर डाइस इरा के निर्माताओं ने फिल्म का टीज़र जारी कर दिया है, जिससे दर्शकों को प्रशंसित निर्देशक राहुल सदाशिवन के इस शैली में नवीनतम प्रयास की पहली झलक मिलती है। एक मिनट 44 सेकंड का यह फुटेज भटकती आत्माओं, मानसिक पीड़ा और एक ऐसे रहस्य की एक खौफनाक दुनिया को दर्शाता है जो एक ही अशुभ कुएँ की ओर लौटता प्रतीत होता है। टीज़र की शुरुआत प्रणव से होती है जो एक अस्पताल के प्रतीक्षालय में बैठे हैं, उनके हाथ खून से सने हैं, और वह एक दिल दहला देने वाली पंक्ति सुनाते हैंः जब कोई गहरी नफरत या अधूरी इच्छा लिए मर जाता है... तो उसकी आत्मा वास्तव में इस दुनिया से कभी नहीं जाती। डाइस इरा भूतकालम (2022) और ब्रमायुगम (2024) के बाद राहुल की हॉरर में लगातार तीसरी फिल्म है, दोनों को समीक्षकों द्वारा सराहा गया था। टीज़र प्रणव की दमदार स्क्रीन उपस्थिति के साथ, एक खौफनाक हैलोवीन अनुभव का वादा करता है। यह फिल्म मनोवैज्ञानिक बेचैनी, आघात और माहौल में व्याप्त भय की ओर झुकती हुई प्रतीत होती है। अपने प्रभावशाली दृश्यों, बढ़ते तनाव और अंतरराष्ट्रीय हॉरर क्लासिक्स की झलक के साथ, डाइस इरा साल की सबसे प्रतीक्षित हॉरर फिल्मों में से एक बनती जा रही है। डाइस इरा 31 अक्टूबर को दुनिया भर में रिलीज़ होने वाली है, जो इसे हैलोवीन के लिए एक उपयुक्त आगमन बनाता है। इस फिल्म में राहुल अपने कई पुराने सहयोगियों के साथ फिर से काम कर रहे हैं, जिनमें छायाकार शहनाद जलाल और संपादक शफीक मोहम्मद अली शामिल हैं।

# क्या रोहित शर्मा ने संन्यास का बना लिया मन? क्रिप्टिक पोस्ट कर मचा दी हलचल

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया में खेली गई वनडे सीरीज के आखिरी दो मैच में रोहित शर्मा का बल्ला जमकर चला। दूसरे में अर्धशतकीय पारी खेली तो तीसरे में नाबाद शतक जड़ा। रोहित के नाबाद शतक से ही भारत ने तीसरा वनडे मैच 9 विकेट से अपने नाम किया। मैच के बाद रोहित के बायन ने हलचल मचा दी। अब उन्होंने एक क्रिप्टिक पोस्ट कर फैंस के बीच हलचल पैदा कर दी है। रोहित शर्मा ने वनडे सीरीज में 202 रन बनाए। उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज का खिताब मिला। मैच के बाद उन्होंने ऑस्ट्रेलिया का धन्यवाद किया। अब रविवार को रोहित शर्मा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में एक एयरपोर्ट पर जाते हुए फोटो शेयर की और फैंस के बीच संन्यास की अटकलों पर तेज हो गईं।

**रोहित की पोस्ट ने मचाई हलचल**

रोहित शर्मा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में एयरपोर्ट पर जाते हुए तस्वीर शेयर की, जिसमें पीछे से उनका पोज लिया गया है। वह हाथ उठा कर अलविदा का साइन दे रहे हैं। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, 'एक आखिरी बार  सिडनी से विदाई लेते लेते हुए।'

# जाह्नवी कपूर ने सुंदर दिखने के लिए कराई सर्जरी

जाह्नवी कपूर को अक्सर इस वजह से ट्रोल किया जाता है कि उन्होंने सुंदर दिखने के लिए सर्जरी कराई है। लोगों ने उनके बदले हुए शरीर पर कई बार सवाल खड़े किए हैं। देवरा पार्ट 1 का चुट्टमल्ले जब रिलीज हुआ था तो भी उनकी सर्जरी खूब चर्चा में रही थी। उनके हाथों के नीचे दिख रहे निशान के चलते उन्हें खूब आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। अब सर्जरी की अफवाहों पर आखिरकार जाह्नवी ने चुप्पी तोड़ दी है।

काजोल और ट्विंकल खन्ना के शो में पहुंचीं जाह्नवी ने कहा, मैं दिखावा करने या अपनी बातों को किसी से छिपाने पर यकीन नहीं करती। मैं ये दिखाने की कोशिश नहीं करती कि मैं स्वाभाविक रूप से परफेक्ट हूं। जब सोशल मीडिया नया—नया शुरू हुआ था, तब मैं भी उन युवा लड़कियों में से एक थी, जो बहुत जल्दी चीजों से प्रभावित हो जाती थीं। उस समय भी सबको एक खास तरह से दिखने के लिए दबाव बनाया जाता था।

जाह्नवी कहती हैं, मैं नहीं चाहती कि युवा लड़कियां सोशल मीडिया या परफेक्ट दिखने वाली सोच से प्रभावित हों। मैं ये मानती हूं कि हर किसी को वो करना चाहिए, जो उन्हें खुश रखे।

## मस्ती 4 का नया पोस्टर हुआ जारी, ट्रेलर जल्द ही रिलीज होगा

अभिनेता रितेश देशमुख, आफताब शिवदासानी और विवेक ओबेरॉय की ओजी तिकड़ी एक बार फिर दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए सिनेमाघरों में लौटने को तैयार हैं। एडल्ट कॉमेडी से भरपूर मस्ती फ्रेंचाइजी की चौथी किस्त मस्ती 4 का नया पोस्टर निर्माताओं की ओर से जारी कर दिया गया है। वेवबैंड प्रोडक्शन के बैनर तले बनी फिल्म मस्ती 4 को मिलाप मिलन जावेरी ने लिखा और निर्देशित किया है। पोस्टर के साथ ही निर्माताओं ने ट्रेलर पर अपडेट दे दिया है। रितेश ने इंस्टाग्राम पर मस्ती 4 का नया पोस्टर मजेदार तरीके से जारी किया है। उन्होंने लिखा, पागलपन और ज्यादा बढ़ गया है! भारत की नंबर 1 सबसे शरारती फ्रेंचाइजी आपके पास लौट रही है।

# रणजी ट्रॉफी का सबसे छोटा मैच, 90 ओवर में गिरे 32 विकेट और 2 हैट्रिक

नई दिल्ली। रणजी ट्रॉफी के दूसरे राउंड में शनिवार को तिनसुकिया में एक ऐतिहासिक मुकाबला खेला गया। इस मुकाबले में केवल 90 ओवर फेंके गए। इस दौरान 32 विकेट गिरे, जिसमें दो हैट्रिक शामिल रहे। मैच में कुल 359 रन बने।

यह रणजी ट्रॉफी के इतिहास का सबसे कम गेंदों (540 गेंद) में खत्म होने वाला मैच बन गया। इससे पहले 1961—62 सीजन में दिल्ली और रेलवे के बीच 547 गेंद में मैच खत्म हुआ था, जिसमें 221 रन बने थे। सबसे छोटा समय वाला रणजी मैच हालांकि, समय के हिसाब से रणजी ट्रॉफी का सबसे छोटा मैच 4 नवंबर 1934 को मद्रास और मैसूर के बीच खेला गया था। वह मैच सिर्फ 100.5 ओवर में पहले ही दिन खत्म हो गया था।

**तिनसुकिया में रचा गया इतिहास**

इस मैच की बात करें तो तिनसुकिया मैदान पर 25 साल बाद रणजी ट्रॉफी मैच आयोजित हुआ। पहले ही दिन 25 विकेट गिरे। असम की बल्लेबाजी पूरी तरह ढह गई। पहले दिन वो सिर्फ 17.2 ओवरों में 103 रन पर ढेर हो गए। इसके जवाब में सर्विसेज की टीम 108 रन पर ढेर हो गई।

**सर्विसेज ने दर्ज की जीत**

दूसरी पारी में असम की टीम 29.3 ओवर में 75 रन पर सिमट गई। इसके बाद सर्विसेज ने 13.5 ओवर में लक्ष्य हासिल कर आठ विकेट से शानदार जीत दर्ज की। पहले दिन सर्विसेज के बाएं हाथ के स्पिनर अर्जुन शर्मा ने सीजन की पहली हैट्रिक ली। इसके बाद उनके साथी बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मोहित जंग्रा ने दूसरी हैट्रिक ली।

**दो गेंदबाजों ने ली हैट्रिक**

यह रणजी ट्रॉफी के इतिहास में पहली बार हुआ कि एक ही पारी में दो गेंदबाजों ने हैट्रिक ली। इससे पहले 1963 में जोगिंदर सिंह राव ने सर्विसेज के लिए एक ही पारी में दो हैट्रिक ली थीं। वे ऐसा करने वाले इकलौते भारतीय हैं।

## संक्षिप्त समाचार

### लोकगीत प्रतियोगिता में युवक मंगल दल साल्ड प्रथम

उत्तरकाशी। युवा कल्याण विभाग एवं प्रांतीय रक्षक दल की ओर से रामलीला मैदान में स्वामी विवेकानंद जन्मोत्सव पर युवा महोत्सव का आयोजन किया गया। इस दौरान युवाओं ने बढ़ चढ़कर प्रतिभाग किया जिसमें लोक गीत प्रतियोगिता में युवक मंगल दल साल्ड, भाषण में स्वाति नौटियाल, लोक नृत्य बाड़ाहाट रंगमंच प्रथम रहा।

महोत्सव का शुभारंभ ममता पंवार ने किया। उन्होंने कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य युवाओं में जो प्रतिभा छुपी है जिन्हें किसी कारणों से अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर नहीं मिलता उन्हें एक मंच प्रदान करना है। इसी के तहत देश के प्रत्येक विकासखंडों में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस दौरान सरस्वती विद्या मंदिर भटवाड़ी की छात्र–छात्राओं ने स्वागतगान और विश्वनाथ संस्कृत महाविद्यालय के छात्रों ने स्वस्ती वाचन किया। लोकगीत प्रतियोगिता में युवक मंगल दल साल्ड प्रथम, गंगा घाटी संस्कृति द्वितीय और जीपीजी कॉलेज उत्तरकाशी तृतीय रहे। भाषण में भानु प्रताप द्वितीय और गौतम रावत तृतीय रहे। लोकनृत्य में बाड़ाहाट रंगमंच प्रथम, महिला मंगल दल साल्ड द्वितीय और महिला मंगल दल भुक्की तृतीय रहा। इस मौके पर जेष्ठ प्रमुख मीरा, कनिष्ठ प्रमुख योगेश डंगवाल, सहायक खंड विकास अधिकारी बीएस रावत, ग्राम प्रधान विवेक नौटियाल, क्षेत्र पंचायत सदस्य आसिता नौटियाल, जिला पंचायत सदस्य ज्योति राणा मौजूद रहे।

### वैदिक मंत्रों से की माता दक्षिण काली की पूजा

चमोली। रामलीला मैदान में आयोजित श्रीमद्देवी भागवत कथा का श्रवण करने और माता दक्षिण काली के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। रविवार को सुबह पंडितों ने देवी कवच, चंडी पाठ आदि वैदिक मंत्रों से माता दक्षिण काली की महाभिषेक पूजा की। इसके बाद हुए देव नृत्य के दौरान पश्वाओं ने श्रद्धालुओं को सुख–समृद्धि का आशीर्वाद दिया। दोपहर बाद शुरू हुई कथा में प्रवचन करते हुए आचार्य प्रमोद चमोली ने मां नव दुर्गा के स्वरूपों का वर्णन करते हुए कहा कि भक्ति भाव से देवी की आराधना करने वालों को अभीष्ट फल प्राप्त होते हैं। इस मौके पर व्यापार संघ अध्यक्ष सुरेंद्र बिष्ट, सरोज शाह, लखपत रावत आदि मौजूद रहे।

### जन जागरूकता अभियान चलाया

चमोली। श्री बदरीश कीर्ति संस्कृत महाविद्यालय डिम्मर में श्री गोपीनाथ संगीत शाला समिति गोपेश्वर की ओर से बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ, नशा मुक्ति आदि विषयों पर नाट्य मंचन के माध्यम से जन जागरूकता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ग्राम प्रधान डिम्मर विनीता डिमरी ने किया। उन्होंने कहा कि इन जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से हमारी भावी पीढ़ी का भविष्य सुरक्षित रह सकता है। समिति की संयोजक शिवांगी लखेड़ा, ममता कोठियाल, उर्मिला नौटियाल, अशोक प्रसाद, आदित्य सिंह आदि ने नाट्य मंचन के माध्यम से बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ और नशा मुक्ति पर आधारित कार्यक्रम प्रस्तुत कर बालिकाओं के उत्थान और नशे के प्रयोग से दूर रहने का संदेश दिया। इस मौके पर प्राचार्य डॉ. माता राम पुरोहित, आचार्य सत्य प्रसाद खंडूड़ी, भुवनेश्वरी देवी, अमित खंडूड़ी, शकुंतला देवी, सतेश्वरी देवी और संतोषी डिमरी आदि मौजूद थे।

### नशा उन्मूलन के लिए हाफ मैराथन 31 को होगी

चमोली। नशा उन्मूलन और इसके दुष्परिणामों के बारे में युवाओं को जागरूक करने के लिए 31 अक्तूबर को हाफ मैराथन का आयोजन किया जाएगा। इसमें 16 वर्ष से अधिक उम्र के युवा और लोग ग्वालदम से तलवाड़ी और तलवाड़ी से ग्वालदम की 21.1 किमी की दौड़ लगाएंगे। हैशटैग बिलीवर फाउंडेशन की ओर से, जिला प्रशासन और समाज कल्याण विभाग के संयोजन में होने वाली इस मैराथन के लिए बैठक कर चर्चा की गई। फाउंडेशन की अध्यक्ष कंचन बुटोला रावत ने बताया कि हैशटैग बिलीवर फाउंडेशन समय–समय पर विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन करता है। इसके तहत 31 अक्तूबर को ग्वालदम से तलवाड़ी और तलवाड़ी से ग्वालदम तक 21.1 किलोमीटर हाफ मैराथन का आयोजन किया जाना है। कार्यक्रम का उद्देश्य नशे की प्रवृत्ति को खत्म कर युवाओं में कौशल विकास व खेल के प्रति रुचि जागृत करना है। बैठक में व्यापार संघ अध्यक्ष अनिल नेगी, चौंडा की जिपंस कलावती रावत, महावीर शाह, हरीश फर्स्वाण, हरेंद्र परिहार, हरीश जोशी, पंकज परिहार और महिला मंगल दल अध्यक्ष कलावती बडियारी आदि उपस्थित रहे।

# ग्रास्टनगंज में धमक हाथी, कैमरे में हुए कैद

### शनिवार रात ग्रास्टनगंज क्षेत्र में उद्यान विभाग के समीप पहुंचा हाथी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः ईदगाह के समीप जंगल से निकलकर एक टस्कर हाथी उद्यान विभाग कार्यालय के समीप तिराहे तक पहुंच गया। गनीमत यह रही कि रात के समय कोई व्यक्ति सड़क पर आवागमन नहीं कर रहा था। जिससे एक बड़ा हादसा होने से बच गया। लोगों ने वन विभाग से क्षेत्र में सुरक्षा दीवार बनवाने की मांग उठाई।

ग्रास्टनगंज का कुछ हिस्सा लैंसडौन वन प्रभाग क्षेत्र से सटा हुआ है। शनिवार को एक टस्कर हाथी ईदगाह के समीप से होते हुए पांच सौ मीटर अंदर उद्यान विभाग के कार्यालय के समीप तक पहुंच गया। गनीमत यह रही कि उस समय सड़क से कोई भी व्यक्ति आवागमन नहीं कर रहा था। ग्रास्टगंज तिराहे के समीप घूम रहे हाथी पर समीप ही मकान में रहने वाले एक व्यक्ति की नजर पड़ी। व्यक्ति ने अपने मोबाइल से हाथी की वीडियो भी बनाई। साथ ही उन्होंने आसपास के लोगों को हाथी के आबादी में पहुंचने की भी सूचना दी। आसपास के लोगों ने वन विभाग को इसकी सूचना दी। लेकिन, उससे पहले ही हाथी सड़क से होते हुए वापस जंगल की ओर चला गया। आबादी में पहुंचे हाथी ने किसी भी तरह का नुकसान नहीं किया। क्षेत्रीय जन राजेश थपलियान ने बताया कि क्षेत्र में लंबे समय से हाथी की दहशत बनी हुई है। बताया कि कई बार वन विभाग को इस संबंध में पत्र दिए जा चुके हैं। लेकिन, विभाग की ओर से हाथी को आबादी वाले क्षेत्र में आने से रोकने के लिए कोई प्रयास नहीं किए जा रहे।

कोटद्वार के ग्रास्टनगंज तिराहे के समीप टहलता टस्कर हाथी

# कृषि विभाग का दिया बीज हुआ खराब, काश्तकारों नाराज

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः भाबर क्षेत्र के अंतर्गत झड़ीचौड़ क्षेत्र में कृषि विभाग की ओर से काश्तकारों को दिया गया बीज खराब हो गया है। ऐसे में काश्तकारों ने उन्हें मुआवजा देने की मांग उठाई। कहा कि एक ओर जहां केंद्र व प्रदेश सरकार काश्तकारों के लिए कई योजनाएं चला रही है। वहीं, कृषि विभाग की ओर से दिया गया बीज काश्तकारों को आर्थिक नुकसान पहुंचा रहा है।

पार्षद सुखपाल शाह ने बताया कि ब्लाक दुगड्डा के माध्यम से कृषि विभाग ने आत्मा योजना के तहत काश्तकारों को धान उपलब्ध करवाया था। भाबर के काश्तकारों ने बड़ी मेहनत से धान की रौंपाई व देखभाल की। लेकिन, वर्तमान में खेतों में खड़ी 80 फीसद फसल बर्बाद हो चुकी है। धान में पोटाश हो गया है। बताया कि इसकी सूचना कृषि विभाग को दी गई, जिसके बाद न्याय पंचायत प्रभारी सौरभ चौधरी ने मौके पर पहुंचकर फसल का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि कीटनाशक के फैलने के कारण फसल खराब हो गई है। काश्तकारों ने कृषि विभाग से भविष्य में उन्हें बेहतर बीज देने की मांग उठाई। कहा कि फसल बर्बाद होने से काश्तकारों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ता है। इस मौके पर ब्लाक दुगड्डा के बीटीएम शशि मोहन, जय सिंह गुसाईं, विजय सिंह गुसाईं, लव किशोर शर्मा, राम सिंह गुसाईं आदि मौजूद रहे।

कोटद्वार के भाबर क्षेत्र में फसल का निरीक्षण करते काश्तकार

# भालू की धमक, तैनात हुए वन कर्मी

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः पाबौ ब्लाक के बनेख में वन विभाग ने भालू को कैद करने के लिए चार ट्रैपिंग कैमरे लगा दिए हैं। साथ ही वन विभाग की टीम यहां गश्त कर रही है। वन विभाग ने सुबह की ग्रामीणों के साथ बैठक कर यहां ड्रोन से भी सर्वे किया है। बनेख में गुरुवार की शाम को भालू ने एक महिला को घायल कर दिया था। घायल महिला का उपचार अभी भी जिला अस्पताल पौड़ी में चल रहा है। वहीं दूसरी तरफ थलीसैंण के कुचौली, कठ्यूठ आदि गांवों में वन विभाग की टीम बीते कई दिनों से डेरा डाले हुई हैं। बनेख में भालू के महिला पर हमले के बाद समूचे क्षेत्र में भालू की दहशत बनी हुई है। ग्रामीणों ने भालू के आंतक से निजात दिलाने की मांग वन विभाग से की है। अभी तक भालू ने थलीसैंण के गांवों में मवेशियों को ही शिकार बनाया था, लेकिन अब पाबौ में भालू का पहला हमला भी देखने को मिला है। भालू के इस हमले के बाद वन विभाग की भी चुनौतियां बढ़ गई हैं। एक ओर भालू मवेशियों को निवाला बना रहा है तो दूसरी तरफ महिला को भी घायल कर दिया है। हालांकि इन दोनों इलाकों में दूरी काफी है। लेकिन अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है कि क्षेत्र में एक ही भालू सक्रिय है या फिर एक से अधिक। कुचौली में लगाएं गए कैमरा ट्रैपों में भी भालू अभी तक कैद नहीं हो पाया है। गढ़वाल वन प्रभाग की एसडीओ आयशा बिष्ट ने बताया है कि भालू के हमले के बाद बनेख में भी वन विभाग की टीम तैनात कर दी गई है। यहां ड्रोन भी उड़ाया गया, लेकिन भालू की कोई गतिविधि नजर नहीं आई। यहां 4 ट्रैपिंग कैमरे भी लगाए गए हैं। इसके साथ ही स्थानीय ग्रामीणों के साथ बैठक कर सतर्क रहने की अपील की गई है। बताया कि वन विभाग की 6 सदस्यीय टीम लगातार यहां गश्त करेगी और भालू की गतिविधियों पर नजर रखेगी। भालू के हमले में घायल महिला को समुचित मुआवजा दिया जा रहा है।

### महादेव मंदिर में मेले की तैयारी हुई तेज

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः सिद्धपीठ श्री देवलेश्वर महादेव मंदिर में पांच दिवसीय मेले की तैयारियां इन दिनों जोरों पर चल रही है। मंदिर समिति ने शिव ध्वजा से लेकर अन्य तैयारियां करना शुरू कर दिया है। मेला एक से पांच नवंबर तक लगेगा। समिति के सचिव जगत किशोर बड़थ्वाल ने बताया कि हर साल एक गांव ध्वजा लेकर आता है। दूसरे साल वहीं गांव इस ध्वजा को भी वापस उतारता है फिर नए गांव की ध्वजा चढ़ाई जाती है। बैकुंठ चतुर्दशी मेले के समय पर्चियां डाली जाती हैं, जिसमे उन गांवों का नाम होता है जो ध्वजा लाने के लिए तैयार होते हैं। ध्वजा लाने वाले गांव का हर परिवार ध्वजा लाने में शामिल होता है। गांव की हर बेटी जिसका विवाह हो गया हो, उन्हें भी निमंत्रण दिया जाता है। फिर शिव ध्वजा निकलती है और पूरे एक साल के लिये बाबा भोलेनाथ को अर्पित की जाती है। ध्वजा को एक साल बाद ही उतारा जाएगा। 2016 से देवलेश्वर महादेव में बैकुंठ चतुर्दशी मेला शुरू किया गया था। इस दौरान गांव से बाहर रहने वाले लोग भी मेले में आते है। इस बार दसवी शिव ध्वजा अर्पित की जाएगी और इसे डांग गांव द्वारा लाया जाएगा। पहली शिव ध्वजा उजियाडी गांव लाया था। इसकी ऊंचाई लगभग 48 फीट थी। कोविड काल में मेले का आयोजन नहीं किया गया था। ध्वजा तीन रंग में है जिसमें सबसे ऊपर पीला रंग होता है बीच में सफेद और सबसे नीचे लाल रंग है।

# मार्ग निर्माण के लिए करेंगे सीएम आवास का घेराव

### लालढांग–चिल्लरखाल मोटर मार्ग निर्माण को लेकर आयोजित की गई बैठक

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः लालढांग- चिल्लरखाल मोटर मार्ग निर्माण को लेकर रविवार को एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों ने भाग लिया। बैठक में निर्णय लिया गया कि यदि जल्द मार्ग निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं हुआ तो लोग देहरादून पहुंचकर सीएम आवास का घेराव करेंगे।

मालूम हो कि लालढांग- चिल्लरखाल मोटर मार्ग निर्माण को लेकर क्षेत्रवासी पिछले कई सप्ताह से आंदोलन चला रहे हैं। इसके तहत चिल्लरखाल में धरना भी चल रहा है। रविवार को पूर्व सैनिक संघर्ष समिति, जीएमओयू संचालन समिति, प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन, व्यापार मंडल, कोटद्वार बार एसोसिएशन, महिला मंगल दल, कीर्तन मंडली सहित विभिन्न संगठनों से जुड़े लोग चिल्लरखाल पहुंचे, जहां पर वे आंदोलनकारियों के साथ धरने पर बैठ गए। प्रवीन थापा ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए लालढांग- चिल्लरखाल मोटर मार्ग निर्माण आवश्यक है। कहा कि मोटर मार्ग निर्माण नहीं होने तक आंदोलन जारी रहेगा। वक्ताओं ने कहा कि सरकार को नींद से जगना ही होगा, अन्यथा मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया जाएगा। राज्य निर्माण आंदोलनकारी डा. शक्तिशैल कपरवाण ने कहा कि मार्ग निर्माण के लिए सरकार को गंभीरता से कार्य करना चाहिए। इस मौके पर पार्षद सुखपाल शाह, भीम सिंह नेगी, जगदीश मेहरा, विजयपाल मेहरा, कमलेश द्विवेदी, कृष्ण चंद्र खंतवाल, देवेंद्र सिंह रावत, प्रवीन भाटिया, राजा रमा अण्थ्वाल, संजय रावत, दीपक रावत, विजयपाल रावत, भीम सिंह नेगी, रंजना रावत, स्वाति लखेड़ा, विनीता देवी, पुष्पा देवी, रजनी अग्रवाल मौजूद रहे।

चिल्लरखाल में आंदोलन में बैठे लोग

# लालढांग- चिल्लरखाल मोटर मार्ग निर्माण के लिए न्यायालय में हो पैरवी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः पैराशूट रेजीमेंट स्पेशन फोर्स संगठन ने लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग निर्माण के लिए न्यायालय में पुख्ता पैरवी करने की मांग की है। कहा कि सरकार को मार्ग निर्माण के लिए गंभीरता से कार्य करना चाहिए। मार्ग निर्माण से ही विकास को गति मिलेगी।

नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत दुर्गापुर के ताड़केश्वर कालोनी में पैराशूट रेजीमेंट स्पेशल फोर्स संगठन की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पैराशूट रेजीमेंट स्पेशल फोर्स के बलिदानी सैनिकों को श्रद्धांजलि दी गई। संगठन के सचिव बलवान सिंह रावत ने कहा कि क्षेत्र के बेहतर विकास के लिए लालढांग- चिल्लरखाल मोटर मार्ग निर्माण का होना आवश्यक है। कहा कि मोटर मार्ग निर्माण में अवरोध पैदा करने वाले एनजीओ की पहचान भी होनी जरूरी है। सड़क निर्माण आ रही बाधाओं को समाप्त करने के लिए न्यायालय में ठोस पैरवी होनी जरूरी है, जिससे न्यायालय में लगी रोक को हटाया जा सके। कहा कि इस मार्ग के निर्माण के लिए सांसद व क्षेत्रीय विधायक को भी पहल करनी चाहिए, जिससे मार्ग निर्माण में आ रही बाधाओं को दूर किया जा सके। कहा कि इस मोटर मार्ग को बफर जोन का हवाला देकर जनता को मूर्ख बनाया जा रहा है, जबकि इस रोड पर वर्ष 1858 से आवागमन होता रहा है।इस मौके पर सोहन सिंह गुसांई, गजराज सिंह नेगी, गोपाल सिंह नेगी, महावीर सिंह रावत, भरत सिंह, सर्वेश्वर सिंह रावत, उपेंद्र सिंह रावत, डबल सिंह, शिव सिंह, अनूप ध्यानी, महेंद्र सिंह रावत, देवेंद्र डंगवाल मौजूद रहे।

आयोजित बैठक में भाग लेते सदस्य

### अनेक श्रोत हैं ब्रह्मांड में धूल की उत्पत्ति

नैनीताल। अंतरिक्ष में धूल और गैस की उत्पत्ति के अनेकों श्रोत हैं, जो मुख्यतः सुपरनोवा विस्फोटों यानी तारों के अंत के दौरान होने वाले विस्फोट से पैदा होती है। इसके अलावा धूमकेतुओं और क्षुद्रग्रहों के टकराव से उत्पन्न होती है और नए तारों के निर्माण की प्रक्रियाओं से उत्पत्ति होती है। यह निहारिका के रूप में धूल और गैस से विशाल बादल बनते हैं और इन्हीं नीहारिकाओं में तारों और ग्रहों का जन्म होता है।

**बड़ी उपलब्धि है यह खोज**

एरीज के निदेशक डा मनीष नाजा का कहना है कि यह बड़ी खोज है, जो हमारी मिल्की वे में तारों के निर्माण के स्थान का पता बताती हैं। धूल भरे मिल्की वे के मानचित्र से भविष्य में हमारी आकाशगंगा में तारों के निर्माण स्थल की जानकारी जुटाना आसान हो जाएगा। हालही में एरीज ने पहली बार जुड़वा ब्लैक होल का पता लगाया था और अब मिल्की वे की धूल का मानचित्र बनाकर एरीज के विज्ञानियों ने खगोल विज्ञान को नई दिशा दी है।

# बाघ की दहशत में जी रहे ग्रामीण, घर से बाहर निकलना भी मुश्किल

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः प्रखंड नैनीडांडा के अंतर्गत हल्दूखाल क्षेत्र में पिछले कई माह से बाघ की धमक बनी हुई है। आए दिन बाघ ग्रामीणों को गांव के आसपास घूमता हुआ दिखाई दे रहा है। बाघ की दहशत के कारण ग्रामीणों का घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया है।

वर्ष 2022 से प्रतिवर्ष बाघ क्षेत्र में ग्रामीणों को अपना निवाला बना रहा है। इसी वर्ष मार्च माह में बाघ ने ग्राम जमून में एक महिला को निवाला बनाया था। इससे पूर्व, ग्राम कीमखेत, गुणिया व सिमली में बाघ ने ग्रामीणों को शिकार बनाया था। पूर्व प्रधान देवेंद्र रावत ने बताया कि क्षेत्र का अधिकांश भाग कार्बेट नेशनल पार्क से सटा हुआ है। ऐसे में बाघ आबादी में पहुंच रहा है। सबसे अधिक दहशत ग्राम कीमखेत, मांगेड़ी, केलधर, मोक्षण, सिमली में बनी हुई है। बाघ के कारण ग्रामीणों का घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया है। अभिभावक स्वयं ही बच्चों को स्कूल लेने व छोड़ने के लिए जा रहे हैं। बाघ कब किस पर हमला कर दे, कुछ कहा नहीं जा सकता। उन्होंने बाघ की दहशत से निजात दिलवाने के लिए वन विभाग को गंभीरता से कार्य करने की बात कही।

# एडीबी की मदद से होगा हल्द्वानी में कायाकल्प

नैनीताल। शहर में अब सड़क चौड़ीकरण और जल निकासी व्यवस्था में बड़े बदलाव की शुरुआत होने जा रही है। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) की सहायता से नगर की लगभग 16.5 किलोमीटर सड़कों और प्रमुख चौराहों का चौड़ीकरण, पुनर्निर्माण और प्रबंधन सुधार का काम किया जाएगा। यह परियोजना हल्द्वानी को स्मार्ट और व्यवस्थित ट्रैफिक सिस्टम देने की दिशा में एक बड़ा कदम मानी जा रही है।

सड़क चौड़ीकरण से जाम से मिलेगी निजातः एडीबी परियोजना के तहत सड़क और चौराहों के पुनर्विकास का कार्य युद्धस्तर पर शुरू किया जा रहा है। पहले चरण में तीनपानी से बरेली रोड तक के हिस्से पर काम शुरू होगा। इस खंड में सड़क चौड़ीकरण के साथ–साथ जल निकासी की आधुनिक व्यवस्था तैयार की जाएगी ताकि बारिश के दौरान जलभराव की समस्या से शहर को राहत मिल सके। पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, सड़क चौड़ीकरण के लिए आवश्यक सर्वे और डिजाइन का कार्य पूरा हो चुका है। टेंडर प्रक्रिया के बाद कार्य होगा शुरूः अब टेंडर प्रक्रिया के बाद फील्ड स्तर पर काम शुरू किया जाएगा। परियोजना के तहत कई प्रमुख चौराहों को पुनः डिज़ाइन किया जाएगा ताकि ट्रैफिक जाम की स्थिति को कम किया जा सके और पैदल यात्रियों की सुविधा बढ़ाई जा सके। हल्द्वानी शहर में ट्रैफिक दबाव लगातार बढ़ रहा है। एडीबी की परियोजना के तहत जिन सड़कों को चुना गया है, उनमें मुख्यतः बरेली रोड, तीनपानी रोड, नैनीताल रोड और टीपी नगर क्षेत्र शामिल हैं। लोगों को मिलेगी बेहतर यातायात व्यवस्थाः इन सड़कों पर चौड़ीकरण के साथ जल निकासी, डिवाइडर और सिग्नल सिस्टम को भी अपग्रेड किया जाएगा। हमारा प्रयास है कि इस काम को जल्द से जल्द पूरा किया जाए ताकि जनता को बेहतर यातायात सुविधा मिल सके। शहरवासियों का मानना है कि यदि यह परियोजना समय पर पूरी होती है, तो हल्द्वानी में ट्रैफिक व्यवस्था और बारिश के दौरान होने वाली परेशानियों से काफी हद तक राहत मिलेगी। लंबे समय से जिस चौड़ीकरण योजना का इंतजार था, वह अब एडीबी की मदद से हकीकत बनने जा रही है। शहर में आए दिन लगता है जामः बता दें कि हल्द्वानी में लोगों को आए दिन जाम की समस्या से दो चार होना पड़ता है।

### चौखुटिया में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने में जुटा प्रशासन

अल्मोड़ा। चौखुटिया में चल रहे स्वास्थ्य आंदोलन के बीच जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग चिकित्सा व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने में सक्रिय है। मुख्य विकास अधिकारी रामजी शरण शर्मा ने बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चौखुटिया में सात एमबीबीएस चिकित्सक, एक चिकित्सा अधीक्षक और एक दंत शल्य चिकित्सक सहित कुल नौ डॉक्टर कार्यरत हैं। सचिव, स्वास्थ्य के निर्देशानुसार अब गाइनी और बाल रोग विशेषज्ञ सप्ताह में तीन दिन–मंगलवार, बृहस्पतिवार और शनिवार–को सेवाएं देंगे। उन्होंने बताया कि केंद्र को 30 से बढ़ाकर 60 शैय्या का करने का शासनादेश जारी किया गया है।

# एरीज के विज्ञानियों ने " मिल्की वे" में फैली धूल और गैस का मानचित्र तैयार कर धूल की परतों का किया खुलासा

नैनीताल। हमारी धरती ही नहीं बल्कि हमारी आकाशगंगा मिल्की वे भी धूल और गैस से घिरी हुई है, अंतर सिर्फ इतना है कि पृथ्वी की धूल गैस वातावरण को दूषित करती है और ब्रह्मांड में फैली धूल और गैस तारों और ग्रहों को जन्म देती है। अब एरीज के विज्ञानियों ने हमारी मिल्की वे यानी आकाशगंगा में फैली धूल और गैस का पहली बार मानचित्र तैयार कर धूल की परतों का खुलासा किया है, जो न केवल हमारी आकाशगंगा को ढके हुए है, बल्कि उनके पीछे नए तारों के जन्म का स्थान का पता बताती है। आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान एरीज के विज्ञानी डा योगेश चंद्र जोशी के नेतृत्व में हुए शोध से पता चला है कि मिल्की वे में धूल और गैस का बड़ा दायरा फैला हुआ है, जो न केवल तारों से आने वाले प्रकाश को धुंधला बनाती है। जिस कारण तारे लाल रंग के नजर आते हैं। मिल्की वे में छाई धूल का पहली बार एरीज के विज्ञानियों ने मानचित्र बनाया है। यह धूल बड़ी मात्रा में हमारी आकाशगंगा के केंद्र में छाई हुई है, जबकि केंद्र के दोनों छोरों में आगे बढ़ती हुई धूल की परत पतली होती जाती है। इससे पता चलता है कि धूल और गैस के पीछे तारों का निर्माण का जन्म स्थल है। शोध में विज्ञानियों ने दुनिया के तमाम देशों की स्पेस एजेंसियों से छः हजार से अधिक क्लस्टर (तारों का समूह) का डाटा एकत्र किया और जब उन्हें जोड़कर देखा तो धूल और गैस से भरी हमारी आकाशगंगा के वास्तविकता की जानकारी सामने आई। ये क्लस्टर ज्यादातर गैलेक्टिक तल के पास स्थित हैं, जहां अंतरतारकीय पदार्थ मुख्य रूप से केंद्रित होता है और तारों का निर्माण होता है। क्लस्टर धूल के वितरण को मापने के लिए विश्वसनीय संकेत के रूप में कार्य करते हैं और धूल तारों के प्रकाश को प्रकाश को अवशोषित करती हैं साथ ही प्रकाश को मंद कर देती है।

डॉ० योगेश चंद्र जोशी के बताया कि यह धूल समान रूप से वितरित नहीं है और एक पतली लहरदार परत बनाती है जो आकाशगंगा के केंद्रीय तल के साथ पूरी तरह से संरेखित नहीं है और मिल्की वे के डिस्क के नीचे स्थित है। लालिमा लिए इस तल को रेडनिंग प्लेन नाम से जानते हैं।

# नहीं रहे सेना के 'हैवी व्हीकल हीरो' गोविंद सिंह खनका

### – भारत –पाक युद्ध में निभाई थी सक्रिय भूमिका

पिथौरागढ़। जिला मुख्यालय के निकटवर्ती ग्यारह देवी गांव निवासी पूर्व सैनिक गोविंद सिंह खनका 76 वर्ष का हृदयगति रुकने से निधन हो गया। मिलनसार स्वभाव के गोविंद सिंह के निधन की खबर मिलते ही पूर्व सैनिकों सहित आम जनमानस में शोक की लहर छा गई। गोविंद सिंह खनका जन्म 1949 में हुआ था। 1970 में भारतीय सेना की आर्मी सप्लाई कोर में चयनित हुए। एक साल बाद ही भारत –पाक युद्ध में उन्होंने सक्रिय भूमिका निभाई। सक्रिय भूमिका निभाने के साथ ही उन्होंने अति दुर्गम लेह, पंजाब, नार्थ ईस्ट , असम और जम्मू कश्मीर में अपनी सेवाएं दी। उनकी असाधारण क्षमता के कारण उन्हें सेना के हैवी व्हीकल का हीरो कहा जाता था। वह आर्मी हैवी व्हीकल कोर्स क्वालीफाइड थे।1985 में सेवानिवृत्ति के बाद भी उन्होंने जनपद सेना मुख्यालय के साथ कार्य करते हुए हैवी व्हीकल चलाते हुए सेना को सहयोग प्रदान किया था।दूसरी तरफ सामाजिक सेवा के क्षेत्र में सक्रिय होने से समाज में उनकी एक विशिष्ट छवि थी। उनकी अंतिम यात्रा में पूर्व सैनिक संगठन द्वारा एक सैनिक के रूप में एक महान व्यक्तित्व को तिरंगा समर्पित करते हुए पुष्प चक्र अर्पित किया और अंतिम सलामी दी।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक और आमजन मौजूद रहे।पूर्व सैनिक संगठन के गुरना क्षेत्र के संयोजक कै.उमेश फुलेरा के नेतृत्व में पूर्व सैनिकों द्वारा उनके स्वजनों को ढांढस बंधाया और हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। कै. सुंदर सिंह खड़ायत द्वारा उन्हें पुष्प चक्र अर्पित किया।इस अवसर पर कै.मदन सिंह, प्रदीप खनका , भूपेंद्र पांडेय, महेश चंद, भूप चंद, उमेश तिवारी, ललित सिंह, माधव सिंह सहित पूर्व सैनिक व अन्य लोग उपस्थित रहे।

### जिलाधिकारी एवं एसएसपी ने किया नगर यातायात व्यवस्था का संयुक्त निरीक्षण

अल्मोड़ा। जिलाधिकारी अंशुल सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देवेंद्र पींचा ने रविवार को नगर क्षेत्र में यातायात व्यवस्था और सड़क सुरक्षा की स्थिति का संयुक्त निरीक्षण किया। उन्होंने मॉल रोड, मुख्य बाजार, बस स्टेशन और टैक्सी स्टैंड का स्थलीय अवलोकन कर यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट की अनिवार्यता और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया तथा हेलमेट वितरित कर सुरक्षित ड्राइविंग का संदेश दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए हेलमेट और सीट बेल्ट का प्रयोग अत्यंत आवश्यक है।

# विश्व हिंदू परिषद की मातृ शक्ति दुर्गा वाहिनी का प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न

अल्मोड़ा। विश्व हिंदू परिषद, जिला अल्मोड़ा की मातृ शक्ति दुर्गा वाहिनी द्वारा रविवार को बाल संस्कार शाला एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन विवेकानंद इंटर कॉलेज, रानीधारा में किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रांत संयोजिका दुर्गा वाहिनी अधिवक्ता पूजा लटवाल रही, जबकि अध्यक्षता जिला संयोजक मातृ शक्ति डॉ. शांति नयाल ने की।

कार्यक्रम का शुभारंभ जिला मंत्री अधिवक्ता विजय सिंह सिराड़ी ने मुख्य अतिथि और जिला संयोजिका के साथ दीप प्रज्वलन कर किया। प्रशिक्षण शिविर का उद्देश्य समाज में हिंदू समाज के सशक्तिकरण और बाल संस्कार शाला के माध्यम से नवयुवकों में संस्कारों के प्रति जागरूकता लाने पर केंद्रित रहा। मुख्य अतिथि पूजा लटवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि मातृ शक्ति समाज के निर्माण की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि बाल संस्कार शाला के माध्यम से बच्चों में नैतिक मूल्यों, संस्कृति और राष्ट्रभावना का विकास किया जा सकता है। शिविर में अल्मोड़ा और आसपास के क्षेत्रों से लगभग 50 से 60 महिलाओं ने भाग लेकर प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यक्रम में विभाग संगठन मंत्री वेद प्रकाश, विहिप जिला अध्यक्ष डॉ. गोपाल सिंह नयाल, जिला उपाध्यक्ष प्रकाश लोहनी और राजेंद्र कनवाल, जिला कोषाध्यक्ष भानु प्रकाश जोशी, महेंद्र जोशी, कमलेश भट्ट और गुंजन सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## संक्षिप्त समाचार

### वीआईपी नंबरों का जुनून ..7 लाख में बिकी 0007 नंबर प्लेट

देहरादून। दून में वाहनों के वीआईपी नंबरों के आकर्षण ने परिवहन विभाग को बड़ा फायदा पहुंचाया है। संभाग की ओर से 29 वीआईपी नंबरों की नीलामी की गई। इसमें इस बार सबसे अधिक 0001 की नहीं बल्कि 0007 की बोली लगाई गई। 0007 नंबर के लिए अधिकतम बोली सात लाख पर बंद हुई। इसके अलावा 0005 दूसरे और 0001 तीसरे नंबर पर रही। अधिक बोली लगाने वालों को सोमवार तक लंबित शुल्क जमा करना होगा। जमा नहीं होने की स्थिति में उनकी बोली रद्द कर दी जाएगी। परिवहन विभाग के अधिकारियों की ओर से मिली जानकारी के मुताबिक एचई और एचएफ श्रेणी के 29 वीआईपी नंबरों पर बोली लगाई गई। इसे ड्राफ्ट की राशि से कई गुना अधिक की बोली लगाई गई। 0007 की ड्राफ्ट राशि 25 हजार रुपये थी। इस नंबर पर अधिकतम सात लाख की बोली लगी। यह ड्राफ्ट की राशि से 28 गुना अधिक है।इस नंबर पर बोली लगाने वालों की संख्या नौ रही है। 0005 दूसरे नंबर पर रहा। इसमें आठ वाहन स्वामी शामिल हुए थे। इसके लिए 6.73 लाख रुपये की बोली लगाई। वहीं, 0001 पर नंबर पर सिर्फ दो लोगों ने बोली लगाई। इस नंबर के लिए बोली 2.5 लाख पर बंद हो गई। 0001 नंबर के लिए ड्राफ्ट राशि सबसे अधिक एक लाख रुपये है। दून में वीआईपी नंबरों का है जुनूनः देहरादून में अनोखे नंबरों की खूब मांग है। हर बार बोली में बड़ी संख्या में लोग शामिल होते हैं। इन्हें पाने के लिए वह बड़ी कीमत अदा करने के लिए तैयार रहते हैं।

### रील देखकर चेन स्नेचिंग की घटना को दिया अंजाम

देहरादून। पटेल नगर क्षेत्र में चेन स्नेचिंग की घटना को अंजाम देने वाले आरोपी को पुलिस ने बल्लूपुर के पास से गिरफ्तार किया है । पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने बताया कि अपने ऊपर चढ़े उधार को उतारने के लिए उसने चेन स्नेचिंग की योजना बनाई थी । आरोपी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर चेन स्नेचिंग की रील देखकर घटना को अंजाम दिया था । साथ ही पुलिस से बचने के लिए घटना के दौरान अपनी मोटर साइकिल की नम्बर प्लेट को निकाल दिया था और पहचान छिपाने के लिए घटना से पहले और बाद में कही भी हेलमेट को नहीं उतारा था ।

गौर हो कि 19 अक्टूबर को सूरज रावत ने कोतवाली पटेल नगर में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी माता लक्ष्मी रावत नयागांव से प्रेमनगर की ओर जाते समय बाबा फार्म के पास किसी अज्ञात बुलेट सवार ने झपट्टा मारकर उनके गले की सोने की चेन छीन कर फरार हो गए । इस संबंध में पीड़ित की तहरीर के आधार पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था ।

### लापरवाही पर जब्ती व मुकदमा, सुबह तक सड़क को करना होगा समतल

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बंसल की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित हुई, जिसमें यूपीसीएल, गेल, यूयूएसडीए, एडीबी आदि संस्थाओं के रोड कटिंग और मोबाइल टावर लगाने से संबंधित प्रस्तावों पर विचार किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि सार्वजनिक उपयोगिता जैसे बिजली लाइन, पेयजल, सीवरेज और गैस पाइपलाइन भूमिगत करने के लिए रात को सड़क खोदने की अनुमति दी जाएगी, किंतु इन सभी कार्यों पर प्रशासन की क्यूआरटी पैनी नजर रखेगी। डीएम ने स्पष्ट किया कि अनुमति से अधिक रोड कटिंग, खुदाई छोड़ देना या सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर प्रशासन जब्ती और मुकदमा दर्ज करने से गुरेज नहीं करेगा। सभी एजेंसियों को निर्देश दिए गए कि वे रात्रि 10 बजे से प्रातः 6 बजे तक ही कार्य करें और 10 नवम्बर के बाद ही खुदाई शुरू करें। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य समाप्ति के बाद सड़क को चलने योग्य बनाना अनिवार्य है।

जिलाधिकारी ने कहा कि निर्माण कार्यों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, बेरिकेटिंग और साइट सुपरविजन का पूरा ध्यान रखा जाए। डीएम ने यूपीसीएल और अन्य एजेंसियों की लापरवाही पर नाराजगी जताते हुए सुपरविजन सुधारने के निर्देश दिए। साथ ही उप जिलाधिकारी कुमकुम जोशी को यूपीसीएल, गेल, एडीबी और यूयूएसडीए के कार्यों की साइट विजिट के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में देरी या अव्यवस्था से जनता को परेशानी हुई तो जिम्मेदार विभागों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई तय होगी। बैठक में स्मार्ट सिटी के एसीईओ तीरथपाल सिंह, एसडीएम कुमकुम जोशी, लोनिवि के अधीक्षण अभियंता ओमपाल सिंह सहित विभिन्न एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

# माणा गाँव में देवभूमि सांस्कृतिक महोत्सव का भव्य समापन

**– सीएम धामी बोले –"वाइब्रेंट गांवों की आर्थिकी को मिलेगा नया संबल" – सीमांत माणा गाँव में संस्कृति, परंपरा और देशभक्ति की अद्भुत संगम झलक – बद्री विशाल के दर्शन कर मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों की सुख–समृद्धि की कामना की**

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी रविवार को देश के प्रथम गाँव माणा में आयोजित दो दिवसीय "देवभूमि सांस्कृतिक महोत्सव 2025" के समापन समारोह में पहुँचे। इस आयोजन में स्थानीय समुदायों, पर्यटकों और गणमान्य अतिथियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता देखने को मिली। महोत्सव का संचालन भारतीय सेना एवं उत्तराखंड सरकार के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

मुख्यमंत्री ने महोत्सव की सराहना करते हुए कहा कि स्थानीय जनता, सेना और प्रशासन के सुचारू समन्वय से यह आयोजन बेहद सफल रहा, जिसने सीमांत क्षेत्रों में पर्यटन और आर्थिकी को बढ़ावा देने की दिशा में अहम कदम बढ़ाया है। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन व सेना द्वारा लगाए गए स्टॉलों एवं "नो योर आर्मी" प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शनी भारतीय सेना और आम जनता के बीच विश्वास और सहयोग को और मजबूत करेगी। आर्मी द्वारा प्रदर्शित उपकरणों, मॉडल्स और सूचना सामग्री की उन्होंने विशेष सराहना की।

महोत्सव में स्कूली बच्चों ने पारंपरिक लोकनृत्य और गीतों की शानदार प्रस्तुति दी। मुख्यमंत्री ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पुरस्कार वितरित किए और कहा कि गढ़वाली लोक संस्कृति की ये झलकियाँ देवभूमि के असली गौरव को दर्शाती हैं। गढ़वाली बैंड, स्थानीय कलाकारों व कारीगरों के प्रदर्शन ने भी सभी का मन मोह लिया।

स्थानीय शिल्पकारों और स्वयं सहायता समूहों द्वारा लगाए गए स्टॉलों में पारंपरिक बुनाई, लकड़ी के हस्तशिल्प, जैविक उत्पाद, स्थानीय व्यंजन और अन्य धरोहर सामग्री को पर्यटकों द्वारा खूब सराहा गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के उद्देश्यों को मजबूती प्रदान करते हुए युवाओं और महिलाओं को आजीविका के नए अवसर उपलब्ध करवाती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह महोत्सव केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं बल्कि सर्दियों के मौसम में पर्यटन विकास, रोजगार सृजन, रिवर्स पलायन को बढ़ावा और सीमांत क्षेत्रों की अर्थव्यवस्था को सशक्त करने में सहायक सिद्ध होगा।कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री ने बद्रीविशाल के दर्शन कर पूजा अर्चना की और प्रदेश एवं देशवासियों की सुख–समृद्धि की कामना की।

इस दौरान जिलाधिकारी गौरव कुमार पुलिस अधीक्षक सर्वेश पंवार, बीकेटीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विजय थपलियाल सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी, सैन्य अधिकारी व स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

## युवक मंगल दल ने एकत्र किया एक क्विंटल कूड़ा

उत्तरकाशी। आपदा प्रभावित धराली, हर्षिल क्षेत्र में कूड़ा एकत्रिकरण और निस्तारण आपदा के बाद से ठप पड़ा है। आपदा के दौरान राहत–बचाव की टीमों के बाद पर्यटकों और यात्रियों ने कई टन कूड़ा छोड़ दिया। प्रशासन की ओर से इसके निस्तारण के लिए किसी प्रकार का कदम नहीं उठाया जा रहा है। वहीं आपदा प्रभावित धराली गांव के युवक मंगल दल ने स्वच्छता अभियान चलाकर करीब 25 बोरों में एक क्विंटल जैविक और अजैविक कूड़ा एकत्रित किया। आपदा के दौरान धराली, हर्षिल में प्रशासन सहित आपदा में राहत बचाव में कार्य करने वाले कई लोग शामिल रहे। इस दौरान कई स्थानों पर भंडारे का आयोजन किया गया। कई प्लास्टिक सहित जैविक और अजैविक कूड़ा जमा हुआ लेकिन उसके निस्तारण पर किसी ने ध्यान नहीं दिया। वहीं मानसून सीजन समाप्त होने के बाद चारधाम यात्रा पर आने वाले यात्रियों सहित पर्यटक भी धराली और आसपास की आपदा को देखने के लिए रुके।

## दूनागिरी और बांगनी ग्लेशियर हुए ऑटोमैटिक वेदर स्टेशन से लैस

देहरादून। वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान ने ग्लेशियर आधारित आपदा के लिहाज से बेहद सनवेदनशील धौली गंगा क्षेत्र को गंभीरता से लिया है। संस्थान ने यहां के दूनागिरी और बांगनी ग्लेशियर को ऑटोमैटिक वेदर स्टेशन (एडब्ल्यूएस) से लैस कर दिया है। अब इस ग्लेशियर और संबंधित क्षेत्र में होने वाले प्रत्येक मौसमी बदलाव की 24 घंटे निगरानी की जा सकेगी। इन ग्लेशियर में आटोमेटिक वाटर लेवल एंड वेलोसिटी रिकार्डर भी स्थापित किए गए हैं। इन आधुनिक उपकरणों की मदद से वैज्ञानिक अब हिमालय के सबसे संवेदनशील और कठिन भौगोलिक क्षेत्रों में ग्लेशियर पिघलने की दर, हिमपात के बदलाव, जलस्तर, प्रवाह वेग और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का सटीक व सतत आकलन कर सकेंगे। इस तरह काम करेंगे आधुनिक उपकरणः आटोमेटिक वेदर स्टेशन तापमान, वर्षा, आर्द्रता, पवन वेग और सौर विकिरण जैसी जलवायवीय जानकारियां रिकार्ड करेंगे। वहीं, आटोमेटिक वाटर लेवल एंड वेलोसिटी रिकार्डर ग्लेशियरों से निकलने वाली धाराओं और झीलों में जलस्तर व प्रवाह की गति की लगातार निगरानी करेगा। इन आंकड़ों से वैज्ञानिकों को ग्लेशियर मास बैलेंस, रनआफ पैटर्न और ग्लेशियर लेक आउटबर्स्ट फ्लड जैसी आपदाओं के जोखिम को समझने में मदद मिलेगी। हिमालय के कठिन भूभाग में अनुसंधान को बढ़ावाः वाडिया संस्थान के वैज्ञानिक अमित कुमार ने बताया कि हिमालय के उच्च हिमाच्छादित क्षेत्र ताजे जल के महत्वपूर्ण स्रोत हैं, लेकिन दुर्गम भू–आकृति और कठोर मौसम की वजह से इन पर दीर्घकालिक निगरानी बेहद चुनौतीपूर्ण रही है।

## दून मेडिकल कॉलेज अस्पताल में डॉक्टरों की उपस्थिति पर उठे सवाल, प्राचार्य ने दी सफाई

देहरादून। राजधानी देहरादून स्थित उत्तराखंड का सबसे बड़ा राजकीय दून मेडिकल कॉलेज अस्पताल एक बार फिर चर्चा में है। यह अस्पताल अक्सर मरीजों और तीमारदारों के साथ डॉक्टरों व जूनियर डॉक्टरों के बीच होने वाली गर्मा–गर्मी को लेकर सुर्खियों में रहता है। हाल ही में अस्पताल में डॉक्टरों की अनुपस्थिति और देरी से ड्यूटी पर आने को लेकर उठे सवालों पर दून मेडिकल कॉलेज अस्पताल की प्राचार्य प्रो. (डॉ.) गीता जैन ने सफाई दी है। उन्होंने कहा कि–अधिकांश डॉक्टर समय पर ड्यूटी पर पहुंचते हैं और अस्पताल में मरीजों के उपचार का कार्य पूरी व्यवस्था के साथ चल रहा है। हालांकि, दूसरी ओर मरीजों और उनके तीमारदारों का कहना है कि अस्पताल की ओपीडी हो या ओटी इमरजेंसी, जूनियर डॉक्टरों का रवैया अक्सर उदासीन रहता है। कई मरीजों ने शिकायत की कि डॉक्टर उनकी बात ध्यान से नहीं सुनते और कभी–कभी फटकार कर भगा भी देते हैं। यही नहीं, स्टाफ नर्स और वार्ड ब्वॉय की उपस्थिति भी अक्सर समय पर नहीं होती।

# मुख्यमंत्री ने दिए सेब उत्पादक किसानों की सब्सिडी तत्काल वितरित किए जाने हेतु कार्यवाही करने के निर्देश

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उद्यान विभाग के अंतर्गत वर्ष 2016–17 से 2022–23 तक संचालित मिशन एप्पल और वर्ष 2023–24 से संचालित सेब की अति सघन बागवानी योजना के लाभार्थी किसानों की लंबित राज सहायता का भुगतान प्राथमिकता पर करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद मुख्य सचिव आनंद वर्धन ने रविवार को ही प्रमुख सचिव न्याय, सचिव वित्त और सचिव कृषि एवं कृषक कल्याण के साथ बैठक कर, लाभार्थी किसानों को तत्काल राज सहायता उपलब्ध कराने के लिए सोमवार 27 अक्टूबर से ही भौतिक सत्यापन सहित अन्य प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने संबंधित विभागों को लम्बित राजसहायता की धनराशि जारी करने से सम्बन्धित समस्त औपचारिकताएं शीघ्र पूर्ण करने कहा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025–26 में सेब की बागवानी योजना के लिए 35.00 करोड़ रुपए बजट की व्यवस्था है। किसानों को राज सहायता उपलब्ध कराने के लिए यदि और धनराशि की आवश्यकता होगी तो राज्य सरकार द्वारा उसकी व्यवस्था भी की जायेगी। मुख्य सचिव ने सम्बन्धित मुख्य – जिला उद्यान अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि मिशन एप्पल और सेब की अति सघन बागवानी योजनान्तर्गत कृषकों के लम्बित राजसहायता के भुगतान के लिए दिनांक 27.10.2025 से ही भौतिक सत्यापन एवं अन्य औपचारिकताओं की कार्यवाही प्रारम्भ की जाए।

सरकार कृषक कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। मिशन एप्पल और सेब की अति सघन बागवानी योजना के लाभार्थी किसानों की लंबित राज सहायता का भुगतान शीघ्रता के साथ कराया जाएगा। सोमवार से ही इसकी प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है।

**—पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री उत्तराखंड**

# पीएम मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट बदरीनाथ महायोजना के रिवर फंट कार्य को रोक गया

चमोली। प्रधामंत्री नरेन्द्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट बदरीनाथ महायोजना में अलकनंदा नदी किनारे चल रहे रिवर फ्रंट के कार्यों को फिलहाल रोक दिया गया है। यह रोक बदरीनाथ मंदिर के ठीक नीचे तप्त कुंड से लेकर ब्रह्मकपाट तीर्थ तक चल रहे कार्यों पर है। अब प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के विशेषज्ञ अलकनंदा के मूल स्वरूप के प्रवाह का अध्ययन कर रहे हैं। रिवर फ्रंट की मौजूदा कार्ययोजना से तप्त कुंड के गरम पानी के स्रोत के दिशा बदलने की आशंका है। विशेषज्ञ इस पर भी अध्ययन कर रहे हैं कि नदी के रुख से छेड़छाड़ से तप्त कुंड या धाम को नुकसान तो नहीं होगा।

रिवर फ्रंट के तहत बामणी गांव के पास अलकनंदा नदी किनारे खाक चौक आश्रम से 300 मीटर दूर तक निर्माण कार्य चल रहा है। मानसून के दौरान तप्त कुंड व नारद कुंड के ठीक नीचे पुरानी सुरक्षा दीवार गिर गई थी और ब्रह्मकपाल क्षेत्र में पानी भर गया था। इससे निर्माण कार्य कर रही लोक निर्माण विभाग की प्रोजेक्ट इंप्लीमेंट यूनिट की चिंताएं बढ़ गई थीं। इस कारण रिवर फ्रंट के कार्य को फिलहाल रोका गया है। रिवर फ्रंट टू नाम देकर इस मामले को पीएमओ को भेजा गया है। नई कार्ययोजना को अंतिम रूप दिए जाने के बाद ही यहां पर कार्य करने की रणनीति बनाई जा रही है। परियोजना प्रबंधक व लोक निर्माण विभाग पीआइयू बदरीनाथ के अधीशासी अभियंता योगेश मनराल के अनुसार, मंदिर के नीचे रिवर फ्रंट के कार्यों को लेकर विशेषज्ञ अध्ययन कर रहे हैं। नारद शिला, नारद कुंड के साथ आसपास के धार्मिक महत्व के स्थानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में भी काम किया जा रहा है। रिवर फ्रंट के कार्यों के दौरान अलकनंदा के मूल स्वरूप से किसी प्रकार की छेड़खानी नहीं की जा रही है। बदरीनाथ महायोजनाः वर्ष 2014 में मोदी सरकार ने इस महायोजना का खाका खींचा था। वर्ष 2022 में शुरू हुई इस महायोजना के तहत पहले चरण में सड़कों का विस्तार, एराइवल प्लाजा व सिविक एमेनिटी सेंटर निर्माण, बदरीश और शेषनेत्र झील का सुंदरीकरण हुआ था। दूसरे चरण में रिवर फ्रंट और अस्पताल, लूप रोड का निर्माण कार्य किया गया है। इस योजना में 400 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। अब तक लगभग 200 करोड़ की धनराशि खर्च की जा चुकी है। रिवर फ्रंट के कार्यों में नदी किनारे ईवी ट्रेक का निर्माण कार्य भी चल रहा है। अंतिम चरण में मंदिर के आसपास 75 मीटर रेडियस में सुंदरीकरण का काम होना है। इसके लिए 72 भवनों को हटाया जाना है। अभी 22 भवन स्वामियों ने भवन खाली नहीं किए हैं। नारद कुंड, तप्त कुंड के निचले क्षेत्र में रिवर फ्रंट की कार्ययोजना को लेकर पीएमओ स्तर पर मंथन चल रहा है। अब यहां नई कार्ययोजना के अनुसार ही कार्य होगा। तब तक निर्माण एजेंसी को अन्य कार्यों को त्वरित गति से पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। जो कार्य पूरे हो गए हैं, उन्हें संबंधित विभाग को स्थानांतरित करने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए कहा गया है। – आनंद बर्धन, मुख्य सचिव, उत्तराखंड

## हनुमान क्लब श्यामपुर ने जीता क्रिकेट का फाइनल मुकाबला

नई टिहरी। सिद्धपीठ श्री कुंजापुरी पर्यटन एवं विकास मेले के उपलक्ष्य में चल रही क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला हनुमान क्लब श्यामपुर ने जीता।

वन मंत्री सुबोध उनियाल ने मेले की तैयारियों का जायजा लेते हुए अधिकारियों को मेले की सभी तैयारियों को पूरा करने के निर्देश दिए। शहीद भगत सिंह नेगी राजकीय इंटर कॉलेज नरेंद्रनगर के खेल मैदान में टूर्नामेंट का पहला सेमीफाइनल मुकाबला कुंजापुरी क्लब ए और आगराखाल की ए टीम के खेला गया जिसमें आगराखाल की ए टीम ने जीत कर फाइनल में प्रवेश किया। दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला हनुमान क्लब श्यामपुर और भौंकुछ क्लब के बीच हुआ जिसमें हनुमान क्लब की टीम विजयी रही।

## धान खरीद में किसानों को नहीं मिल रहा फसल का उचित दामः यशपाल आर्य

देहरादून। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि उत्तराखंड सरकार धान की सरकारी खरीद के आंकड़े जारी कर अपने मुंह मियां मिट्ठू बन रही है, जबकि हकीकत में मंडियों में किसानों की हालत बदतर है। उन्होंने कहा कि ह्यह्यधान का एक–एक दाना खरीदनेह्लह्ल का दावा महज़ एक धाकड़ झूठ और जुमला आदेश साबित हुआ है।आर्य ने कहा कि किसानों को न तो बाढ़ मुआवजा मिला, न एमएसपी पर खरीदी हो रही है, न ही आढ़त की समस्या का समाधान हुआ है। खाद की किल्लत ने अलग से परेशान कर रखा है – भाजपा सरकार का किसानों पर जुल्म जारी है। उन्होंने कहा कि सरकार ने कच्चे आढ़तियों को एमएसपी पर धान खरीदने के लाइसेंस दिए हैं और तुलवाई, परिवहन आदि का खर्च भी दे रही है, फिर भी वे किसानों का धान नहीं खरीद रहे। सरकार द्वारा बिचौलियों को अधिकार देने से किसानों का हक मारा जा रहा है और प्रशासन उन्हें भ्रमित कर रहा है। नेता प्रतिपक्ष ने बताया कि किसान मंडी कतारों से बचने के लिए निजी गोदामों में औने–पौने दाम पर धान बेचने को मजबूर हैं, जबकि व्यापारियों द्वारा फर्जी नमी जांच और भारी कटौती की जा रही है। उन्होंने कहा कि तौल केंद्रों पर खरीद न होने से धान से लदे वाहनों की लंबी कतारें लगी हैं और किसान दिन–रात मंडियों में धान की रखवाली कर रहे हैं।

# ऋषिकेश में छठ पूजा को लेकर ट्रैफिक प्लान जारी

ऋषिकेश। छठ पूजा को लेकर सोमवार को त्रिवेणी घाट क्षेत्र में दोपहर दो बजे से ट्रैफिक प्लान लागू रहेगा। दो पहिया, तिपहिया और चौपहिया वाहनों की एंट्री बंद रहेगी। वहीं, श्रद्धालु सोमवार को अस्तालचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने की तैयारी में जुटे हैं। इसके लिए रविवार को खरीदारी जारी रहा। त्रिवेणी घाट में गंगा किनारे के घाटों को सजाया गया है। लोक आस्था का महापर्व छठ शनिवार को नहाय–खाय के साथ शुरू हुआ। दूसरे दिन रविवार को खरना का अनुष्ठान हुआ। सोमवार को व्रती महिलाएं अस्ताचलगामी भास्कर देव को अर्घ्य देंगी। इसके साथ ही मंगलवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ इस लोक पर्व का समापन होगा। सोमवार को गंगा किनारे अनेक प्रकार के पकवान और मौसमी फलों के साथ अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा।

इसके लिए रविवार को बाजार में खरीदारी होती रही। वहीं पुलिस की ओर से सोमवार से छठ महापर्व को लेकर ट्रैफिक प्लान लागू कर दिया जाएगा। करीब पंद्रह हजार लोगों के आने का अनुमान है।

घाट रोड, जयराम आश्रम रोड, मुखर्जी मार्ग, क्षेत्र रोड, गोल मार्केट रोड, लाजपत रोड में ट्रैफिक प्लान लागू रहेगा। ट्रैफिक इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार ने बताया कि दोपहर दो बजे से ट्रैफिक प्लान कर दिया जाएगा। वाहनों के लिए अलग–अलग जगह पार्किंग की व्यवस्था की गई है।

## क्षेत्र में बढ़ रहे स्मैक और चरस के खिलाफ व्यापारियों में रोष

नई टिहरी। क्षेत्र में बढ़ रहे स्मैक और चरस नशा के खिलाफ व्यापारियों ने नाराजगी जताई। उन्होंने पुलिस प्रशासन से नशे पर अंकुश लगाने की मांग की है। साथ ही व्यापारियों और स्थानीय लोगों ने ठोस कार्रवाई नहीं होने पर महापंचायत बुलाकर आंदोलन की चेतावनी दी। उन्होंने चौकी प्रभारी के माध्यम से एसपी को ज्ञापन प्रेषित किया। व्यापार मंडल अध्यक्ष जगदीश असवाल ने बताया कि नगर क्षेत्र के कुछ स्थानों पर स्मैक और चरस के नशेड़ी युवक एकत्र होकर नशा कर रहे हैं और बेच रहे हैं। नगर क्षेत्र में कई ऐसे युवाओं के नामों की सार्वजनिक चर्चाएं सामने आ रही है जो बाहरी क्षेत्रों से स्मैक खरीद कर बेच रहे हैं। नशेड़ी युवा कई बार रात को वाहनों से पेट्रोल की चोरी और घर के छतों पर टंगे कपड़ों पर हाथ साफ कर रहे हैं।

# पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए धामी सरकार के प्रयास ला रहे हैं रंग

**— उत्तराखंड की आर्थिकी को मिली रफ्तार, पर्यटन–तीर्थाटन के लिए पहुंचे 23 करोड़ से ज्यादा पर्यटक**

देहरादून। पर्यटन– तीर्थाटन को बढ़ावा देने के लिए जारी पुष्कर सिंह धामी सरकार के प्रयास रंग लाने लगे हैं, बीते तीन साल उत्तराखंड में 23 करोड़ से अधिक पर्यटक पहुंच चुके हैं।

इससे होम स्टे, होटल, ढाबा संचालकों, महिला स्वयं सहायता समूहों से लेकर परिवहन कारोबारियों तक की आजीविका को सहारा मिला है। प्रदेश सरकार के प्रयासों से उत्तराखंड में पर्यटन– तीर्थाटन लगातार बढ़ रहा है। पर्यटन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक उत्तराखंड में बीते तीन साल में 23 करोड़ से अधिक पर्यटक पहुंच चुके हैं। खास बात यह है कि उत्तराखंड का पर्यटन अब बहुआयामी हो चला है, पर्यटक बड़े शहरों और चुनिंदा हिल स्टेशन तक ही सीमित नहीं बल्कि दूर दराज के छोटे छोटे पर्यटक स्थलों तक भी पहुंच रहे हैं। इसी के साथ राफ्टिंग, ट्रैकिंग, बंजी जम्पिंग, पर्वतारोहण जैसी साहसिक गतिविधियों में भी देश ही नहीं बल्कि विदेशी पर्यटकों की भी भागीदारी बढ़ी है। इससे पर्यटन का लाभ प्रदेश के लाखों लोगों तक प्रत्यक्ष तौर पर पहुंच रहा है, इसमें होटल, रेस्टोरेंट, होमस्टे संचालक, परिवहन कारोबारी, महिला स्वयं सहायता समूह शामिल है। प्रदेश में इस समय छह हजार अधिक होम स्टे संचालक सीधे तौर पर बढी हुई पर्यटन गतिविधियों के सीधे लाभार्थी बनकर उभरे हैं।

तीर्थाटन भी बूम परः प्रदेश में तीर्थाटन गतिविधियां भी काफी बढ़ गई है। इस वर्ष अब तक चारधाम यात्रा में ही तीर्थयात्रियों की संख्या 50 लाख को छू रही है। केदारनाथ, यमुनोत्री पैदल मार्ग पर इस साल 4300 से अधिक घोड़े झ्र खच्चर संचालकों ने अपनी सेवाएं दी। प्रदेश सरकार अब शीतकालीन यात्रा को भी बढ़ावा दे रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आदि कैलाश यात्रा से भी पिथौरागढ़ के सीमांत क्षेत्र में तीथार्टन, पर्यटन तेजी से बढ़ा है।

# सहस्रधारा में गोल्डन फॉरेस्ट की जमीनें बेचने पर होगी एफआईआर दर्ज

देहरादून। शिकायतकर्ता शाकुल उनियाल ने अर्जी लगाई कि धनौला गांव में कूटरचित दस्तावेजों के जरिये आम लोगों को गोल्डन फॉरेस्ट व नदी की भूमि बेची जा रही है। इस संबंध में उन्होंने सबसे पहले एक फरवरी 2021 को जिलाधिकारी व आयुक्त गढ़वाल को शिकायत देकर कार्यवाही का अनुरोध किया गया।

सहस्त्रधारा रोड स्थित गांव धनौला में सुप्रीम कोर्ट से प्रतिबंधित गोल्डन फॉरेस्ट और सरकारी भूमि की अवैध बिक्री मामले में अदालत ने शुक्रवार को राजपुर पुलिस को तत्काल मुकदमा दर्ज करके गहन विवेचना का आदेश दिया है। इससे संबंधित याचिका में महानिरीक्षक निबंधन और पुलिस की भूमिका भी सवाल उठाए गए हैं। अदालत में शिकायतकर्ता शाकुल उनियाल ने अर्जी लगाई कि धनौला गांव में कूटरचित दस्तावेजों के जरिये आम लोगों को गोल्डन फॉरेस्ट व नदी की भूमि बेची जा रही है। इस संबंध में उन्होंने सबसे पहले एक फरवरी 2021 को जिलाधिकारी व आयुक्त गढ़वाल को शिकायत देकर कार्यवाही का अनुरोध किया गया। उसके बाद उप जिलाधिकारी (सदर) को 15 दिसंबर को फिर शिकायत दी। आरोप है कि उनकी सभी शिकायत को नजरंदाज कर दिया गया। इसी मामले में एक अन्य शख्स की शिकायत पर प्रशासन ने एसआईटी (भूमि) को जांच के आदेश दिए। एसआईटी ने जांच के बाद शिकायत को सही पाया और 12 अप्रैल 2024 को तत्कालीन महानिरीक्षक निबंधन संदीप श्रीवास्तव को फर्जीवाड़े की एफआईआर दर्ज कराने का निर्देश दिया। आरोप है कि उसके बावजूद तीन माह तक मामला बेवजह दबाकर रखा गया। बाद में महानिरीक्षक निबंधन की ओर से दो जुलाई 2024 को एसएसपी देहरादून को पत्र भेजकर जांच की संस्तुति की गई, लेकिन एफआईआर उसके बाद भी दर्ज नहीं हुई। शिकायतकर्ता ने अदालत को बताया कि पुलिस ने उनके खिलाफ ही एक मुकदमा दर्ज कर दिया। उन्होंने बीती 27 अगस्त को फिर से पुलिस में शिकायत की। आखिरकार अदालत में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 175(3) के तहत याचिका लगाकर पुलिस जांच का आदेश देने की मांग की।

पुलिस ने मुकदमे में देरी की वजह नहीं बताईः अदालत के जवाब–तलब करने पर पुलिस ने जांच रिपोर्ट दाखिल की, जिसमें बताया कि इस मामले में एसआईटी की जांच रिपोर्ट में आरोपी भरत सिंह नेगी, प्रशांत डोभाल, राजीव तलवार, मनोरमा डोभाल और नीरू तलवार के खिलाफ मुकदमा दर्ज करके कार्यवाही की संस्तुति की गई थी,

# करोड़ से भरे जाएंगे गंगोत्री हाईवे के जख्म

उत्तरकाशी। गंगोत्री हाईवे पर मानसून सीजन के दौरान गंगोरी से धराली तक क्षतिग्रस्त सड़क का करीब 30 करोड़ की लागत से सुधारीकरण किया जाएगा। आपदा के दौरान गंगोत्री हाईवे कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त होने के कारण वहां पर आवाजाही अभी भी खतरनाक बनी है। वहीं दूसरी ओर बीआरओ की ओर से मानसून सीजन से पहले छूटे हुए कार्यों के तहत सोनगाड से झाला तक सड़क सुधारीकरण का कार्य शुरू कर दिया गया है।मानसून और आपदा के समय गंगोत्री हाईवे गंगोरी गणेशपुर से लेकर धराली तक कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो गया था। हर्षिल में जहां हाईवे पूरी तरह झील में डूब गया था वहीं सोनगाड सहित डबरानी में गंगा के तेज बहाव में सड़क बह गई थी। वहीं ओंगी सहित नेताला और नलूणा, धराली आदि में भूस्खलन और मलबे के कारण सड़क क्षतिग्रस्त हो गई थी।

वहीं लेम्चागाड के समीप भी आधी सड़क क्षतिग्रस्त होने से खतरा बना है। मानसून सीजन के बाद बीआरओ की ओर से बह गई सड़कों के स्थान पर वैकल्पिक और भूस्खलन आदि क्षेत्रों में मलबा हटाकर आवाजाही को सुचारू करवाया गया है लेकिन वहां पर अभी भी खतरा बना है। वहीं अब बीआरओ को इन क्षतिग्रस्त सड़कों की स्थिति सुधारने के लिए करीब 30 करोड़ की स्वीकृति मिल गई है।

जयन्त
संस्थापक
नरेन्द्र उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक और सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
द्वारा जयन्त प्रकाशन डिग्री कॉलेज रोड़, जौनपुर कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा जयन्त कार्यालय चन्द्रसिंह गढ़वाली मार्ग, गैरसैंण, जनपद चमोली उत्तराखण्ड से प्रकाशित
RNI No.UTTHIN/2005/16338